मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 219
सोमवार, 23 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती या भटकती नहीं हैंः पीएम मोदी

मेरठ, 22 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम और मेरठ मेट्रो के उद्घाटन के दौरान एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को 'विकसित भारत' की कनेक्टिविटी का एक बेहतरीन उदाहरण बताया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज पहली बार एक ही प्लेटफॉर्म और एक ही ट्रैक पर 'नमो भारत' ट्रेन और 'मेट्रो' दोनों चल रही हैं। उन्होंने अपनी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती या भटकती नहीं हैं, बल्कि जिस काम का पत्थर रखा जाता है, उसे समय पर पूरा भी किया जाता है।

प्रधानमंत्री ने पुरानी सरकारों पर तंज कसते हुए कहा कि पहले इस रूट पर शाम होते ही सन्नाटा और डर का माहौल रहता था, लेकिन अब कानून-व्यवस्था सुधरने से यात्रा सुरक्षित

हो गई है। उन्होंने गर्व से बताया कि 'नमो भारत' में ऑपरेटर से लेकर स्टेशन कंट्रोल स्टाफ तक ज्यादातर काम बेटियां ही संभाल रही हैं, जो नारी शक्ति के सामर्थ्य को दिखाता है।

पीएम मोदी ने जानकारी दी कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों की भेंट चढ़ जाते थे, लेकिन बीजेपी सरकार ने घोटालों को बंद कर देश को आत्मनिर्भरता और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। सराय कालेखां, आनंद विहार और गाजियाबाद जैसे स्टेशनों पर रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है। इससे यात्रियों को एक ही स्टेशन से शहर के भीतर जाने और दिल्ली-मेरठ के बीच सफर करने की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज विकसित देश भी भारत की युवाशक्ति और विकास को देखकर हमारे साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हैं।

अंत में, प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को याद करते हुए कहा कि उनकी सरकार को उन्हें 'भारत रत्न' देने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और यूपी के किसानों को अब तक 95 हजार करोड़ रुपये की सम्मान निधि दी जा चुकी है।

लश्कर की धमकी के बाद दिल्ली में किलेबंदी, भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा सख्त

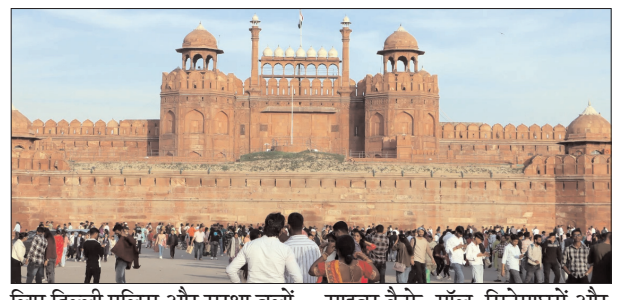

नई दिल्ली, 22 फरवरी। देश की राजधानी दिल्ली इस वक्त हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा एजेंसियों को खुफिया जानकारी मिली है कि आतंकी संगठन दिल्ली की भीड़भाड़ वाली धार्मिक और ऐतिहासिक जगहों पर हमले की साजिश रच रहे हैं।

खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान का आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा भारत के बड़े शहरों में आईईडी धमाके करने की योजना बना रहा है। बताया जा रहा है कि 6 फरवरी को इस्लामाबाद की एक मस्जिद पर हुए हमले का बदला लेने के लिए वे चांदनी चौक के एक मंदिर और अन्य प्रसिद्ध जगहों को निशाना बना सकते हैं। यह अलर्ट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि तीन महीने पहले लाल किले के पास एक धमाका हुआ था, जिसमें 15 लोगों की जान चली गई थी।

किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों ने पूरे शहर में पहरा बढ़ा दिया है। मंदिर परिसरों और ऐतिहासिक इमारतों के पास बड़ी संख्या में पैरा-मिलिट्री फोर्स तैनात की गई है। दिल्ली में आने वाली हर गाड़ी की बारीकी से जांच हो रही है। लावारिस खड़ी गाड़ियों और पार्किंग पर खास नजर रखी जा रही है। कंट्रोल रूम के जरिए पूरे शहर की रियल-टाइम सीसीटीवी फुटेज पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध हरकत को तुरंत पकड़ा जा सके। पुलिस होटलों, गेस्टहाउसों, साइबर कैफे, मॉल, सिनेमाघरों और सिम कार्ड बेचने वाली दुकानों की जांच कर रही है। इसके साथ ही किराएदारों, घरेलू नौकरों और मजदूरों का बैकग्राउंड चेक भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए पुलिस मार्केट और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, दुकानदारों और वेंडरों के साथ लगातार बैठकें कर रही है। लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की सलाह दी गई है।

बीजेपी में शामिल हुए कांग्रेस के भूपेन बोरा

असम, 22 फरवरी। असम की राजनीति में रविवार को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आधिकारिक तौर पर बीजेपी जॉइन कर ली। गुवाहाटी में असम बीजेपी चीफ दिलीप सैकिया की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। उनके साथ संजू बरुआ और सर्बनारायण देवरी जैसे युवा कांग्रेस नेता भी बीजेपी में शामिल हुए हैं।

भूपेन बोरा एक अनुभवी नेता हैं, जो पिछले 32 सालों से कांग्रेस से जुड़े हुए थे। उनके करियर की कुछ मुख्य बातें, वे 2006 से 2016 तक बिहपुरिया से विधायक रहे। वे 2021 से 2024 तक असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे। तरुण गोगोई की सरकार में वे सरकार के प्रवक्ता और पार्लियामेंट्री सेक्रेटरी भी रहे। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत छात्र राजनीति से की थी और डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी में यूनियन के जनरल सेक्रेटरी भी रहे।

दिलचस्प बात यह है कि केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल और भूपेन बोरा एक ही यूनिवर्सिटी में साथ पढ़ते थे।

भूपेन बोरा ने पार्टी छोड़ने के पीछे कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन को एक बड़ी वजह बताया है। बोरा का आरोप है कि असम में कांग्रेस की असली कमान रकीबुल हुसैन के हाथों में है, जबकि स्टेट यूनिट चीफ गौरव गोगोई सिर्फ नाम के पद पर हैं। बोरा का कहना है कि पार्टी के भीतर इसी खींचतान की वजह से उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। रकीबुल हुसैन ने अभी इन आरोपों का सीधा जवाब नहीं दिया है।

भूपेन बोरा कांग्रेस के एक मजबूत सांगठनिक नेता माने जाते थे। उन्होंने छात्र संगठन एनएसयूआई से लेकर यूथ कांग्रेस और फिर स्टेट कांग्रेस तक का सफर तय किया। वे एआईसीसी के सचिव भी रहे और असम के साथ-साथ उत्तर-पूर्व के अन्य राज्यों में भी पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में ही पिछले साल कांग्रेस ने असम में तीन लोकसभा सीटें जीती थीं। अब चुनाव से ठीक पहले उनका बीजेपी में जाना कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

जनता की पीड़ा जैसे-जैसे बढ़ेगी, पीडीए और मजबूत होगाः अखिलेश यादव

लखनऊ, 22 फरवरी। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और कुशासन बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे जनता की पीड़ा बढ़ेगी, पीडीए और मजबूत होगा। यादव ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के विकास के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा, "हमें विकास नहीं मिल रहा है। वह कहां है? जो पाइपलाइन बिछाई जा रही हैं, वे भ्रष्टाचार की पाइपलाइन हैं।"उन्होंने मूलभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए दावा किया कि खराब गुणवत्ता की वजह से पानी की टंकियां फट रही हैं और जमीन पर भ्रष्टाचार दिख रहा है। यादव ने कहा, "जैसे-जैसे लोगों की पीड़ा बढ़ेगी, हमारा पीडीए (पिछड़ा दलित और

अल्पसंख्यक) आंदोलन बढ़ेगा।" उन्होंने कहा कि सपा लोकतंत्र और समाज के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने की रक्षा के लिए लोगों को एकजुट करने की कोशिशें जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रस्तावित जापान यात्रा पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा, "मैंने सुना है कि मुख्यमंत्री जापान जा रहे हैं लेकिन क्योटो नहीं जा रहे हैं? उन्हें वहां जाकर देखना चाहिए कि यहां क्या किया जाना था और पिछले 10 सालों में क्या नहीं कर पाए।" भाजपा ने वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद वाराणसी को क्योटो जैसा शहर बनाने की घोषणा की थी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र की बड़ी परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की लागत शुरूआती अनुमान से बहुत ज्यादा बढ़ गई है। यादव ने भाजपा पर सोशल मीडिया पर 'फेक वीडियो' प्रसारित कर नफरत फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनावी फायदे के लिए पहले भी सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिशें की गई हैं।

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं की सुरक्षा उन्हें 'हतोत्साहित और बेइज्जत' करने की राजनीतिक साजिश के तहत वापस ली जा रही है। यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ शनिवार को मुकदमा दर्ज किए जाने को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को माघ मेले में पवित्र डुबकी लगाने से रोका गया।

उन्होंने कहा कि देश की आध्यात्मिक परंपराओं में ऐसी हरकतें पहले कभी नहीं हुई हैं। प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ पिछले महीने माघ मेले के दौरान एक नाबालिग समेत दो लोगों के यौन शोषण के आरोपों में शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सपा प्रमुख ने प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जिक्र करते हुए कहा कि 'इनोवेशन और स्टार्टअप्स' के नारे लगाने के बजाय लोगों की असली समस्याओं का समाधान करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मौजूदा सरकार पर सपा सरकार के कार्यकाल के दौरान शुरू की गई औद्योगिक नीति की नए सिरे से केवल 'ब्रांडिंग'करने का आरोप लगाया। यादव ने दावा किया कि जमीन पर नए निवेश की परियोजनाएं कहीं नजर नहीं आ रही हैं। सपा प्रमुख ने सरकार पर पर्यावरण की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि औद्योगिक अपशिष्ट और जलमल गोमती जैसी नदियों में बहाने की वजह से वे दूषित हो रही हैं।

भारतीयों के लिए बांग्लादेश का टूरिस्ट वीजा फिर खुला

नई दिल्ली, 22 फरवरी। बांग्लादेश ने सोमवार से भारत में स्थित अपने सभी राजनयिक मिशनों के जरिए भारतीय नागरिकों के लिए टूरिस्ट वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। सुरक्षा कारणों के चलते बांग्लादेश सरकार ने भारत में अपने मिशनों से टूरिस्ट वीजा जारी करना अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। हालांकि 12 फरवरी को हुए आम चुनाव के बाद हालात में सुधार को देखते हुए अब इन सेवाओं को पूर्ण रूप से बहाल किया जा रहा है।

अधिकारी के अनुसार, नई दिल्ली स्थित Bangladesh High Commission सहित गुवाहाटी, अगरतला, मुंबई और कोलकाता में मौजूद बांग्लादेशी मिशनों में अन्य वीजा श्रेणियों की सेवाएं अधिकांशतः जारी थीं, लेकिन टूरिस्ट वीजा सामान्य रूप से

रोक दिए गए थे। आपात मामलों में वीजा जारी किए जाते रहे। उन्होंने कहा कि टूरिस्ट वीजा को औपचारिक रूप से बंद घोषित नहीं किया गया था, लेकिन सोमवार से इसे व्यापक रूप से लागू किया जाएगा।

चुनाव के मद्देनजर 15 जनवरी से 15 फरवरी तक टूरिस्ट वीजा सेवाएं स्थगित रखने का निर्देश दिया गया था। भारत के अलावा सुरक्षा कारणों से भूटान और नेपाल के लिए भी वीजा सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी गई थीं। अब स्थिति की समीक्षा के बाद सभी प्रकार के वीजा, जिनमें टूरिस्ट वीजा भी शामिल है, पूरी तरह बहाल किए जा रहे हैं। इस बीच, भारतीय वीजा सेवाएं बांग्लादेशी नागरिकों के लिए अभी भी आंशिक रूप से निलंबित हैं, विशेषकर टूरिस्ट वीजा श्रेणी में।

किश्तवाड़ में तीसरा आतंकी भी ढेर, सेना का ऑपरेशन लगातार जारी

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सेना और आतंकियों के बीच चल रही मुठभेड़ में बड़ी सफलता मिली है। सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने ऑपरेशन त्राशी-क के दौरान तीसरे आतंकवादी को ढेर कर दिया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, व्हाइट नाइट कॉर्प्स की टीम ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर इलाके में अभियान चलाया। मारे गए आतंकवादी का शव, उसकी बंदूक और गोला-बारूद भी जब्त किया गया है। सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है और पूरी तरह क्षेत्र को आतंकियों से मुक्त कराने का काम जारी है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

'मुफ़्त रेवड़ी आवंटन' फिक्रमंद अदालत बेफिक्र सरकार ?

-तनवीर जाफरी

-तनवीर जाफरी

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की 'सत्ता लोलुपता' से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी कर्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक कर्ज मुआफ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नकद धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को 'मुफ़्त रेवड़ी ' बांटने की इस कवायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी कर्ज में डूबना भी मंजूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है।

परन्तु सत्ता की इसी तरह की गैर जिम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताजातरीन तल्ख टिप्पणी गत 19 फरवरी को एक बार फिर सामने आयी जो गैर जिम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -'कई राज्य पहले से ही भारी कर्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत खत्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना गलत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है'।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि 'विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा'। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोजगार सृजन पर फोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ मुफ़्त चीजें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ्री बीज कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी 'मुफ़्त रेवड़ी आवंटन' को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने 'मुफ़्त की रेवड़ी ' बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय ₹मुफ़्त रेवड़ी₹ कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के खिलाफ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, खासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में ₹रेवड़ी कल्चर को खतरनाक बता चुके हैं।

यही मुफ़्त रेवड़ी कल्चर गत अक्टूबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान तो अनैतिकता की अपनी सारी हदें पार कर गया। याद रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शेड्यूल 6 अक्टूबर 2025 को घोषित हुआ था और उसी दिन चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गयी थी। परन्तु चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुये बिहार की नितीश सरकार ने अक्टूबर-नवंबर 2025 में कई बार महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर कर दिये। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव घोषित होने के बाद भी महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर किये जाने पर काफी विवाद भी हुआ था। परन्तु चुनाव पर इसका असर यह हुआ नीतीश कुमार की अगुवाई में एन डी ए ने बिहार के 2025 के विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। कई विश्लेषकों ने दावा किया कि महिला मतदाताओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर करने के कारण महिलाओं की मतदान दर बढ़ी क्योंकि महिलाओं को इसका सीधे फायदा मिला।

परन्तु विपक्षी दलों ने इसे ₹चुनावी रिश्वत₹ या ₹वोट खरीदने₹ की कोशिश करार दिया था । कुछ सांसदों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि यह चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करता है। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसी 'रेवड़ी ' के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें चुनाव को रद्द करने और नए चुनाव कराने की मांग की गई। और इसे संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (भ्रष्ट आचरण) का उल्लंघन बताया। इसी तरह भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ़्त राशन योजना चलाई जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत संचालित होती है। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब इसे स्थायी रूप से विस्तारित कर दिया गया है। सरकारी दावों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों (यानी दिसंबर 2028 तक) के लिए सरकार ने लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त खाद्यान्न प्रदान करने का फैसला किया है। वर्तमान में लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ़्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजनाओं में से एक है। आलोचकों का कहना है कि इस योजना से भी जहाँ लोगों में मुफ़्तखोरी की संस्कृति बढ़ेगी वहीँ इस 'मुफ़्त रेवड़ी ' का लाभ सत्ता को मिलेगा। बड़ा आश्चर्य है कि आज इस 'मुफ़्त रेवड़ी आवंटन' को लेकर अदालतें तो फिक्रमंद हैं जबकि सरकार पूरी तरह बेफिक्र है?

एक पृथ्वी, एक मानवताः शांति और समझ का वैश्विक संकल्प

-सुनील कुमार महता

हर वर्ष 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस 'रोटरी इंटरनेशनल' की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल अपना 121वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस इस विचार को रेखांकित करता है कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह तो हमारी आपसी समझ, साझा प्रयासों और समावेशी विकास का परिणाम है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के दौर में बढ़ते संघर्ष, युद्ध और तनाव के बीच विश्व शांति मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वास्तव में, शांति से ही विकास, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी समझ और सहिष्णुता किन्हीं भी समाजों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। यह एक कटु सत्य है कि बिना शांति के न तो सुरक्षा संभव है और न ही किसी देश और समाज की स्थायी प्रगति। इसलिए विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि रोटरी नाम के पीछे भी एक रोचक कारण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुरुआत में इसे शांति दिवस नहीं कहा जाता था। इसका नाम रोटरी इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सदस्य अपनी बैठकें हर बार अलग-अलग सदस्यों के कार्यालयों में घुमाकर (रोटेशन के आधार पर) किया करते थे और यही रोटेशन आगे चलकर दुनिया भर में सेवा और शांति का प्रतीक बन गया। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई थी, तब रोटरी के सदस्यों ने लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसी सम्मेलन की बौद्धिक नींव पर आगे चलकर यूनेस्को की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी शांति संस्थाओं में से एक की अवधारणा एक क्लब बैठक से प्रेरित थी।

इस दिवस का मूल संदेश यह है कि शांति केवल 'युद्ध का न होना' नहीं है। रोटरी की अवधारणा में शांति का अर्थ लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुँच, साक्षरता दर में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास से भी जुड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो सेवा ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है। जब हम भूख, बीमारी (जैसे पोलियो) और अज्ञानता के खिलाफ संघर्ष करते हैं, तो वास्तव में हम शांति की नींव रख रहे होते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 1905 को पॉल पी. हैरिस ने शिकागो (अमेरिका) में इसकी(रोटरी इंटरनेशनल) शुरुआत की थी।पेशे से वे एक वकील थे और उन्होंने अपने तीन मित्रों के साथ मिलकर पहले रोटरी क्लब की बैठक आयोजित की। उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवर लोग मिलकर विचार साझा कर सकें और समाज के लिए सार्थक कार्य कर सकें। समय के साथ यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया और स्थापना दिवस को ही विश्व शांति और समझ दिवस के रूप में मान्यता मिली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज रोटरी के 200 से अधिक देशों में लगभग 46,000 से अधिक क्लब सक्रिय हैं।

यहाँ पाठकों को बताना आवश्यक है कि रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक सेवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना, समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना है। इसके सदस्य विभिन्न व्यवसायों और पेशों से जुड़े लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान देते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, रोग उन्मूलन (विशेषकर पोलियो उन्मूलन अभियान) और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित करता है। आज इसके विश्वभर में हजारों क्लब और लाखों सदस्य हैं, जो 'सर्विस अबूव सेल्फ' (स्वार्थ से ऊपर सेवा) के आदर्श वाक्य के साथ मानव कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं।

वास्तव में, इस दिवस को मनाने का उद्देश्य, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं, पूरे विश्व में शांति, सेवा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। आज के दौर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी सोच, राजनीतिक और सामाजिक तनाव तथा डिजिटल माध्यमों पर फैलती नकारात्मकता ने लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी है। कई बार देश संसाधनों और प्रभुत्व की होड़ में संघर्ष की राह चुन लेते हैं। सहयोग, सेवा-भावना और आपसी सद्भाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ते दिखाई देते हैं। एक समय था जब समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना अधिक प्रबल थी, जबकि आज व्यक्तिगत स्वार्थ और असहिष्णुता कई बार इन मूल्यों पर भारी पड़ती नजर आती है। हालांकि, यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी दुनिया में अनेक लोग और संस्थाएँ शांति, सेवा और मानवता के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यक्तिगत स्तर से छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें। दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, सहयोग और संवाद को बढ़ावा दें। यही छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। इस दिवस का मुख्य फोकस शांति और सद्भावना को प्रोत्साहित करना, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समझ बढ़ाना, संघर्ष की रोकथाम तथा वैश्विक सहयोग और मानवीय एकता को मजबूत करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

अंततः यह दिवस हमें सिखाता है कि हमारे छोटे-छोटे सकारात्मक कार्य भी दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जब हम एक-दूसरे की सोच और भावनाओं को समझने लगते हैं, तो विवाद स्वतः कम होने लगते हैं। सार यह है कि यदि हम सभी एक-दूसरे की संस्कृतियों, विचारों और जीवन मूल्यों को समझें, तो वैश्विक भाईचारा और शांति मजबूत हो सकती है, और यह संपूर्ण विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है।

संख्या बड़ी है, संदेश उससे भी बड़ा—आंकड़े बोलते हैं, सवाल छोड़ जाते हैं

– डॉ. सत्यवान सौरभ

वित्तीय वर्ष 2025झ26 में हरियाणा सरकार द्वारा 12.4 लाख से अधिक लोगों की एचआईवी जांच और 5877 पॉजिटिव मामलों की पहचान—यह तथ्य पहली दृष्टि में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की सक्रियता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नीति-स्तरीय गंभीरता का प्रमाण प्रतीत होता है। इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग किसी भी राज्य के लिए न तो सरल होती है और न ही सहज। इसके लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल, संस्थागत ढांचा और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से देखें तो यह उपलब्धि हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और प्राथमिकताओं को दर्शाती है।

यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल ह्लसीमित समुदायोंह्व या ह्लहाशिये के समूहोंह्व से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है। लेकिन यही आंकड़े जब गहराई से पढ़े जाते हैं, तो वे एक साथ यह चेतावनी भी देते हैं कि संक्रमण की सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक जड़ें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने लोगों की जांच हुई, बल्कि यह है कि संक्रमण को जन्म देने वाले कारणों पर कितनी प्रभावी रोक लगी।

राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से अधिक लोगों का नियमित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है।

इस अभियान का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव गर्भवती महिलाओं की बड़े पैमाने पर जांच में दिखाई देता है। 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग और 613 पॉजिटिव मामलों की पहचान यह दर्शाती है कि माँ-से-बच्चे में संक्रमण रोकने को गंभीरता से प्राथमिकता दी जा रही है। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि समय रहते एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला को उपचार और परामर्श मिल जाए, तो नवजात को संक्रमण से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। यह केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है, क्योंकि एचआईवी-मुक्त शिशु को उस कलंक और भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता, जो आज भी संक्रमित बच्चों के जीवन को सीमित कर देता है।

दिसंबर 2021 से लागू 2250 प्रतिमाह की वित्तीय सहायता योजना—जिसके तहत अब तक 54.3 करोड़ वितरित किए जा चुके हैं—यह संकेत देती है कि राज्य सरकार बीमारी को केवल चिकित्सा समस्या के रूप में नहीं देख रही। एचआईवी से प्रभावित व्यक्ति अक्सर रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और आर्थिक स्थिरता—तीनों से वंचित हो जाता है। बीमारी के साथ जुड़ा सामाजिक भय और भेदभाव उसकी आजीविका के अवसरों को भी सीमित कर देता है। ऐसे में यह वित्तीय सहायता इलाज के साथ जीवन की बुनियादी गरिमा बनाए रखने का एक प्रयास है, भले ही मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि अपर्याप्त प्रतीत हो। फिर भी, कुल जांच के मुकाबले 0.47 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते आए हैं कि एचआईवी के मामले अक्सर वास्तविक संख्या से कम रिपोर्ट होते हैं। सामाजिक कलंक, भय, गोपनीयता को लेकर आशंका और जानकारी की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वैच्छिक जांच से बचते हैं। ऐसे में सामने आए 5877 मामले संभवतः समस्या की पूरी तस्वीर नहीं, बल्कि उसका एक सीमित हिस्सा मात्र हैं। यह दर राज्य में मौजूद उन सामाजिक कारकों की ओर भी संकेत करती है, जो संक्रमण को बढ़ावा देते हैं—जैसे नशीली दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग, असुरक्षित यौन व्यवहार, तेज शहरीकरण और प्रवासी श्रमिकों की अस्थिर जीवन-स्थितियां।

यौनकर्मी, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है। नशे की समस्या को केवल उपचार या दवा वितरण तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक इसे सामाजिक पुनर्वास, रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन से नहीं जोड़ा जाता, तब तक एचआईवी नियंत्रण अधूरा ही रहेगा।

इस पूरी लड़ाई में सबसे बड़ी और सबसे अदृश्य बाधा आज भी कलंक है। लोग बीमारी से कम और समाज की प्रतिक्रिया से अधिक डरते हैं। एचआईवी आज भी नैतिकता, चरित्र और ह्लगलतीह्व के साथ जोड़कर देखा जाता है, जबकि यह एक चिकित्सकीय स्थिति है। यही सोच लोगों को जांच से दूर रखती है, इलाज में देरी कराती है और संक्रमण को चुपचाप फैलने का अवसर देती है। रेड रिबन क्लब, रेडियो जिंगल और सोशल मीडिया अभियानों से जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण इलाकों और पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं तक यह संदेश अभी भी पूरी मजबूती से नहीं पहुंच पाया है।

एचआईवी नियंत्रण को केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मानना एक बड़ी रणनीतिक भूल होगी। सुरक्षित प्रवास, श्रमिक कल्याण, नशामुक्ति, लैंगिक समानता और वैज्ञानिक यौन शिक्षा—ये सभी विषय सीधे इस समस्या से जुड़े हैं। प्रवासी श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर जांच, परामर्श और इलाज की व्यवस्था न केवल संक्रमण को नियंत्रित कर सकती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा भी बढ़ा सकती है। परिवहन, श्रम, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभागों के साथ समन्वय के बिना कोई भी प्रयास स्थायी परिणाम नहीं दे सकता। भारत के एड्स मुक्त लक्ष्य को हासिल करने में राज्यों की भूमिका निर्णायक है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा तय की गई रणनीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने में हरियाणा जैसे संसाधन-संपन्न और प्रशासनिक रूप से सक्षम राज्य अगर संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हैं, तो वे केवल आंकड़ों में सफलता हासिल नहीं करेंगे, बल्कि नीति-मॉडल के रूप में भी उभर सकते हैं। अंततः, हरियाणा का एचआईवी जांच अभियान निस्संदेह एक बड़ी उपलब्धि है। इसने यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप संभव हैं। लेकिन यह सफलता तभी पूर्ण मानी जाएगी जब इसके साथ जुड़ी चेतावनियों को गंभीरता से सुना जाए। यदि राज्य कलंक तोड़ने, रोकथाम को इलाज जितनी प्राथमिकता देने और संक्रमण के सामाजिक कारणों पर ईमानदारी से काम करने में सफल होता है, तो आज के आंकड़े कल की सफलता की कहानी बनेंगे। अन्यथा, यही आंकड़े भविष्य के एक बड़े और गहरे संकट का शुरूआती संकेत बनकर रह जाएंगे।

सेमीकंडक्टर सहयोग और बदलती वैश्विक रणनीति

-प्रियंका सौरभ

भारत और अमेरिका के बीच सेमीकंडक्टर तथा उन्नत तकनीकी सहयोग को लेकर हुआ हालिया करार केवल एक द्विपक्षीय समझौता नहीं है, बल्कि यह बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन, तकनीकी प्रभुत्व और आर्थिक सुरक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। इक्कीसवीं सदी में जिस तरह तेल को बीसवीं सदी की सबसे रणनीतिक वस्तु माना गया था, उसी तरह आज सेमीकंडक्टर को आधुनिक दुनिया की रीढ़ कहा जा सकता है। मोबाइल फोन से लेकर मिसाइल प्रणाली, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर ऑटोमोबाइल उद्योग तक—हर क्षेत्र में चिप्स की अनिवार्यता ने इसे भू-राजनीति का केंद्र बना दिया है। ऐसे में भारत का पैक्स सिलिका जैसे ढांचों में शामिल होना और अमेरिका के साथ गहरा सहयोग स्थापित करना दूरगामी महत्व रखता है।

पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियां खुलकर सामने आई हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान चिप संकट ने यह स्पष्ट कर दिया कि कुछ गिने-चुने देशों और कंपनियों पर अत्यधिक निर्भरता पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर सकती है। इस निर्भरता का सबसे बड़ा केंद्र चीन और ताइवान क्षेत्र रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने इसे केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरे के रूप में देखा है। इसी पृष्ठभूमि में भारत जैसे लोकतांत्रिक, स्थिर और तेजी से उभरते बाजार वाले देश की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारत लंबे समय तक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में एक सीमित भूमिका निभाता रहा है, जहां उसका योगदान मुख्यतः चिप डिजाइन और आईटी सेवाओं तक सीमित था। हालांकि निर्माण, कच्चे माल की शुद्धता, और अत्याधुनिक फैब्रिकेशन जैसी क्षमताओं में देश पीछे रहा। हालिया समझौते इस कमी को दूर करने की दिशा में संकेत देते हैं। अमेरिका के साथ साझेदारी भारत को न केवल तकनीकी ज्ञान और निवेश उपलब्ध कराएगी, बल्कि वैश्विक मानकों के अनुरूप एक मजबूत और भरोसेमंद सप्लाई चेन का हिस्सा भी बनाएगी।

इस सहयोग का एक महत्वपूर्ण पहलू दुर्लभ खनिजों और उच्च गुणवत्ता वाले सिलिकॉन जैसे कच्चे माल से जुड़ा है। सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए जिन तत्वों की आवश्यकता होती है, उनमें से कई का वैश्विक नियंत्रण चीन के पास है। यह स्थिति रणनीतिक जोखिम पैदा करती है। भारत-अमेरिका सहयोग इस निर्भरता को कम करने और वैकल्पिक स्रोत विकसित करने की दिशा में अहम कदम है। भारत के पास खनिज संसाधनों की संभावनाएं हैं, जिन्हें तकनीक और निवेश के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ा जा सकता है।

आर्थिक दृष्टि से यह करार भारत के लिए बड़े अवसर खोलता है। सेमीकंडक्टर उद्योग पूंजी-प्रधान होने के साथ-साथ रोजगार सृजन की अपार क्षमता रखता है। एक फैब्रिकेशन यूनिट के आसपास पूरा एक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित होता है, जिसमें आपूर्तिकर्ता, अनुसंधान संस्थान, स्टार्टअप्स और कुशल मानव संसाधन शामिल होते हैं। इससे न केवल प्रत्यक्ष रोजगार बढ़ेगा, बल्कि उच्च तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए नए रास्ते खुलेंगे। यह भारत की जनसांख्यिकीय लाभांश को वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलने में सहायक हो सकता है।

रणनीतिक स्तर पर यह साझेदारी भारत की विदेश नीति में भी एक नया आयाम जोड़ती है। भारत लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति का पालन करता आया है, जहां वह किसी एक शक्ति गुट पर निर्भर न रहते हुए अपने हितों के अनुसार सहयोग करता है। अमेरिका के साथ यह तकनीकी सहयोग उसी संतुलन का उदाहरण है। यह भारत को पश्चिमी देशों के साथ निकटता तो देता है, लेकिन साथ ही उसे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक स्वतंत्र और महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में स्थापित करता है। इससे भारत की वैश्विक सौदेबाजी क्षमता भी मजबूत होती है।

हालांकि इस पूरे परिदृश्य में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सेमीकंडक्टर निर्माण अत्यंत जटिल और लागत-भारी प्रक्रिया है, जिसमें निरंतर नवाचार, स्थिर नीतिगत समर्थन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता होती है। भारत में बुनियादी ढांचे, बिजली की गुणवत्ता, जल उपलब्धता और कुशल श्रमबल जैसी समस्याओं को हल किए बिना इस उद्योग में वैश्विक प्रतिस्पर्धा संभव नहीं है। इसके अलावा, तकनीकी हस्तांतरण और बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़े मुद्दे भी संवेदनशील हैं, जिनका संतुलित समाधान आवश्यक होगा। एक और महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या भारत इस सहयोग को केवल आयात-प्रतिस्थापन तक सीमित रखेगा या इसे नवाचार-आधारित आत्मनिर्भरता में बदल पाएगा। यदि भारत केवल विदेशी कंपनियों के लिए एक उत्पादन स्थल बनकर रह जाता है, तो दीर्घकालिक लाभ सीमित होंगे। आवश्यकता इस बात की है कि देश में अनुसंधान और विकास को समानांतर रूप से बढ़ावा दिया जाए, विश्वविद्यालयों और उद्योग के बीच गहरा तालमेल बने, और घरेलू स्टार्टअप्स को इस पारिस्थितिकी तंत्र में स्थान मिले। तभी भारत वास्तव में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ सकता है। भू-राजनीतिक संदर्भ में यह करार एक स्पष्ट संदेश भी देता है। यह संदेश केवल चीन को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को है कि लोकतांत्रिक देश मिलकर तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विविधतापूर्ण बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वह किसी नए ध्रुवीकरण का मोहरा न बने, बल्कि अपनी विकासात्मक प्राथमिकताओं को केंद्र में रखे। अंततः, भारत और अमेरिका के बीच सेमीकंडक्टर सहयोग भविष्य की उस दुनिया की झलक देता है जहां तकनीक, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा आपस में गहराई से जुड़ी होंगी। यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह खुद को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित करे। सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नीतिगत इच्छाशक्ति, संस्थागत क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टि को किस हद तक व्यवहार में उतारा जाता है। यदि यह संतुलन साध लिया गया, तो यह करार भारत की तकनीकी यात्रा में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

क्या भारत यूरोपीय संघ को वस्त्र निर्यात के मामले में बंगलादेश को पीछे छोड़ सकता है?

भारत का वस्त्र उद्योग वैश्विक निर्यात बाजारों में लगातार पिछड़ता जा रहा है। इसके विपरीत, बंगलादेश ने निर्यात के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। हाल ही में हस्ताक्षरित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) और बंगलादेश के अल्प विकसित देश (एल.डी.सी.) का दर्जा समाप्त होने की संभावना को देखते हुए, यह भारत के वस्त्र उद्योग के लिए एक सुनहरा अवसर है।

वस्त्र मूल्य श्रृंखला के भीतर, यूरोपीय संघ को भारत का निर्यात मुख्य रूप से तैयार कपड़ों जैसे टी-शर्ट, शर्ट और ट्राऊजर की बजाय मध्यवर्ती उत्पादों (विशेष रूप से धागे और कपड़े) पर केंद्रित है। बंगलादेश का निर्यात विशेष रूप से 2 श्रेणियों के तैयार कपड़ों में भारत से कहीं अधिक है, बुने या क्रोशिया से बने वस्त्र (जैसे टी-शर्ट, जर्सी, पुलओवर, स्वैटर और का?डगन) और बुने हुए वस्त्र (जैसे सूट, जैकेट, ट्राऊजर, ड्रैस और शर्ट)।

बुने हुए/क्रोशिया किए गए वस्त्रों के लिए यूरोपीय संघ के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी 2009 में लगभग 6.5 प्रतिशत से घटकर 2023 में लगभग 4.4 प्रतिशत रह गई। वहीं, बंगलादेश की हिस्सेदारी 2000 में मात्र 6 प्रतिशत से बढ़कर 2009 में 13 प्रतिशत और 2023 तक 26 प्रतिशत हो गई। बुने हुए वस्त्रों के व्यापार में भी इसी तरह का रुझान देखने को मिलता है। बुने हुए वस्त्रों के मामले में, यूरोपीय संघ को भारत के नाममात्र निर्यात मूल्य में निरपेक्ष रूप से गिरावट आई है, जो लगभग 3.5 अरब डॉलर के शिखर से गिरकर 2.9 अरब डॉलर हो गया है।

सभी उत्पादों में भारत की प्रति इकाई कीमत लगातार बंगलादेश से अधिक है। इससे निम्नलिखित संकेत मिल सकते हैं : पहला, भारत अधिक मूल्यव?धत, बेहतर गुणवत्ता वाले वस्त्रों का निर्यात कर रहा होगा, जिससे वह अधिक कीमतें वसूलने में सक्षम है। हालांकि, इसकी कम बाजार हिस्सेदारी से पता चलता है कि आम बाजार में बिकने वाले परिधानों की तुलना में ऐसे उत्पादों की यूरोपीय संघ में मांग सीमित है, जिससे संकेत मिलता है कि केवल ह्यप्रीमियम पोजीशनिंगह्व (यदि संभव हो तो) से बिक्री में वृद्धि नहीं हो सकती। दूसरा, और अधिक संभावित कारण यह है कि ऊंची कीमतें संरचनात्मक कमियों को दशार्ती हैं-उच्च उत्पादन लागत, कम एकीकृत आपू?त श्रृंखलाएं और रसद संबंधी अक्षमताएं। इसके अलावा, भारतीय और बंगलादेशी उत्पादों पर लगने वाले शुल्क में भी काफी अंतर है। बंगलादेश, एक अल्पविकसित देश होने के नाते, यूरोपीय संघ में शुल्क-मुक्त और कोटा-मुक्त प्रवेश का लाभ उठाता रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शून्य-टैरिफ पहुंच तब भी लागू होती है, जब वस्त्र यूरोपीय संघ की मानक दोहरे परिवर्तन की आवश्यकता को पूरा नहीं करते। इसका मतलब यह है कि बंगलादेश दुनिया में कहीं से भी कपड़ा आयात कर सकता है, घरेलू स्तर पर कपड़े सिल सकता है और उन्हें शून्य शुल्क पर यूरोपीय संघ को निर्यात कर सकता है। भारत को इस तरह की तरजीही सुविधा प्राप्त न होने के कारण यूरोपीय संघ के मोस्ट फेवर्ड नेशन (एम.एफ.एन.) टैरिफ के तहत लगभग 12 प्रतिशत का भुगतान करना पड़ता है।

दो प्रमुख संरचनात्मक बदलाव निकट भविष्य में दिखाई देने वाले हैं। सबसे पहले, बंगलादेश 2029 में अपने ई.बी.ए. लाभ खोने वाला है। इसका अर्थ होगा यूरोपीय संघ में स्वतः शुल्क-मुक्त प्रवेश का अंत और परिधान निर्यात पर संभावित रूप से लगभग 12 प्रतिशत का एम.एफ.एन. (फाइनल फॉरेन नेटिव) टैरिफ लग सकता है। इसके बाद बंगलादेश यूरोपीय संघ की जनरलाइज्ड स्कीम ऑफ प्रैफरैंसेस प्लस (जी.एस.पी.) में प्रवेश करने का प्रयास करेगा, जो वस्त्रों सहित लगभग दो-तिहाई टैरिफ मदों पर शून्य टैरिफ प्रदान करता है। हालांकि, जी.एस.पी. में मूल के सख्त नियम (आर.ओ.ओ.) और सुरक्षा प्रावधान लागू होते हैं।

बंगलादेश कपड़ों के लिए अन्य देशों (भारत सहित) पर काफी हद तक निर्भर है, इसलिए इसका मतलब यह हो सकता है कि बंगलादेश के वस्त्र शुल्क मुक्त प्रवेश के लिए जी.एस.पी.-आर.ओ.ओ. की शर्तों को पूरा न करें। ऐतिहासिक रूप से, यूरोपीय संघ दोहरे परिवर्तन मानदंड पर अपने रुख पर कायम रहा है। यदि वह ऐसा करना जारी रखता है, तो बंगलादेश को गंभीर नुकसान होगा। यदि प्रतिस्पर्धा मूल्य-आधारित है, तो बंगलादेश अपना बाजार हिस्सा खो सकता है। दूसरी ओर, यदि बंगलादेश का प्राथमिक लाभ आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण से आता है, तो वह उच्च शुल्कों के बावजूद भी अपना प्रभुत्व बनाए रख सकता है।

भारत-ई.यू. समझौते के तहत भारत को यूरोपीय संघ के कपड़ा बाजारों में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा, बशर्ते 2 चरणों वाली प्रसंस्करण प्रक्रिया अनिवार्य हो। चूंकि भारत का कपड़ा उद्योग पहले से ही अपेक्षाकृत एकीकृत है (परिधान उत्पादन में प्रयुक्त अधिकांश धागे और कपड़े का निर्माण देश में ही होता है), इसलिए 2 चरणों वाली प्रसंस्करण प्रक्रिया भारतीय कपड़ा निर्यात के लिए कोई बाधा नहीं बनेगी।

संत निरंकारी मंडल ने कुरगांव क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर चलाया स्वच्छता अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के विभिन्न हिस्सों में संत निरंकारी मंडल द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान बाबा हरदेव सिंह की प्रेरणा एवं माता सुदीक्षा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस अभियान के तहत पास्थल, परनाली व कुरगांव शमशान भूमि तथा वाण गांव के पास नदी किनारे का कचरा साफ किया गया। इसके साथ ही वाणगंगा क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने इलाके का कचरा इकट्ठा करके स्वच्छता का संदेश देते हुए नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस दौरान सिद्धांत नगर स्थित मुख्य कार्यालय एवं भैयापाडा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम का संचालन संयोजक हिरालाल पठारे के मार्गदर्शन में किया गया। वहीं कार्यक्रम का संचालन पूनम राणा ने की। कार्यक्रम में पूर्व संचालक यशवंत साहिल, सेवा दल के सदस्य एवं कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वच्छता अभियान को सफल बनाया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित स्वयंसेवकों व नागरिकों के लिए शरबत की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर समाज में स्वच्छता और सेवाभाव के संदेश को दृढ़ किया गया।

शिवतेज मित्र मंडल द्वारा धूमधाम से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

पालघर (उत्तरशक्ति)। शिवतेज मित्र मंडल व केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित काशी विश्वनाथ व शीतला माता मंदिर परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई।

इस पावन अवसर पर शिवतेज मित्र मंडल के अध्यक्ष व काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक, भाजपा नेता तुलसीराम केवट तथा वरिष्ठ समाजसेवी व उद्योजक गिरजेश आर. सिंह ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। समारोह में मंडल और फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, साथ ही स्थानीय लोग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक स्वर में जय शिवानी, जय शिवाजी के जयकारे लगाये।

सांसद ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर लोगों से की मुलाकात

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। डॉक्टर हेमंत सांवरा ने पालघर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस के सामने चल रहे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल स्थल का दौरा कर आंदोलन कर रहे युवाओं से मुलाकात की और उनका सार्वजनिक रूप से समर्थन किया।

पालघर जिले के ढएरअ क्षेत्र के 17 कैडर के योग्य उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति आदेश की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका कहना है कि माननीय न्यायालय के आदेश के बावजूद उन्हें अब तक परमानेंट अपॉइंटमेंट ऑर्डर जारी नहीं किए गए हैं। आंदोलनकारी युवाओं का यह मुद्दा केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवारों के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है।

डॉ. सांवरा ने कहा कि न्यायालय के आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन के संबंधित अधिकारियों से विस्तार से चर्चा कर जल्द से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने पर जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि योग्य उम्मीदवारों को न्याय मिलने तक उनका समर्थन जारी रहेगा।

आंदोलनकारियों ने भी उम्मीद जताई कि प्रशासन शीघ्र ही कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए उन्हें स्थायी नियुक्ति प्रदान करेगा।

वसई की पावन धरा पर मानस महाकुंभ 2026 का दिव्य शुभारंभ, रामभक्ति का उमड़ा महासागरः प्रेमभूषण महाराज जी

वसई (उत्तर शक्ति)। वसई की पुण्यभूमि पर मानस महाकुंभ 2026 का अत्यंत भव्य, आध्यात्मिक एवं हृदयस्पर्शी शुभारंभ हुआ। श्रीराम नाम के गगनभेदी जयघोष, मंगलमय कलश यात्रा, वेद मंत्रों की पावन ध्वनि और भजन-कीर्तन की मधुर स्वरलहरियों ने समूचे वातावरण को पूर्णतः राममय कर दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वसई की धरती पर स्वयं अयोध्या का पावन भाव अवतरित हो गया हो।

नौ दिवसीय श्रीरामचरितमानस कथा का अमृतमय वाचन परम पूज्य, मानस मर्मज्ञ संत प्रेमभूषण जी महाराज के पावन श्रीमुख से हो रहा है। उनकी ओजस्वी, करुणामयी एवं जीवन-दर्शन से ओतप्रोत वाणी के माध्यम से श्रीरामचरितमानस के गूढ़ प्रसंग अत्यंत सरल, मार्मिक और जीवनोपयोगी संदेशों के साथ प्रस्तुत किए जा रहे हैं। श्रद्धालुजन भाव-विभोर होकर भक्ति रस में सराबोर हो रहे हैं – मानो प्रत्येक हृदय में श्रीराम का दिव्य आलोक प्रज्वलित हो उठा हो।

इस विराट आध्यात्मिक महोत्सव को साकार रूप देने में प्रमुख संयोजक श्री विजेंद्र रामचंद्र सिंह जी का सतत प्रयास, दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ समर्पण विशेष उल्लेखनीय है। वहीं इस वर्ष की मुख्य संकल्पी श्रीमती मीरा विजेंद्र सिंह की निष्ठा, सेवा-भावना और आध्यात्मिक प्रतिबद्धता ने आयोजन को विशिष्ट ऊर्जा प्रदान की है। उनके मार्गदर्शन में यह महाकुंभ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि वसई-विरार की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन गया है।

शुभारंभ अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में श्रीमती सुमिता सुमन सिंह जी भाजपा प्रवक्ता मुंबई की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही भाजपा नगरसेवक अशोक शेलके जी, भाजपा नेता अमित सिंह राठौड़ जी, समाजसेवक उमेश प्रताप सिंह जी (मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रताप को-ऑपरेटिव बैंक) सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों, धार्मिक अग्रणियों एवं श्रद्धालु परिवारों ने सहभागिता कर आयोजन की शोभा बढ़ाई।

मानस महाकुंभ 2026 केवल एक कथा आयोजन नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति, संस्कार और सामाजिक समरसता के पुनर्जागरण का महान संकल्प है। यह महोत्सव प्रत्येक परिवार को राम नाम की ज्योति से आलोकित कर जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना का संदेश दे रहा है।

आयोजन समिति समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालु भाई-बहनों एवं परिवारजनों से सपरिवार उपस्थित होकर इस नौ दिवसीय राम कथा का अमृतमय रसपान करने का हार्दिक आग्रह करती है। आइए, हम सब मिलकर इस भक्ति यात्रा का हिस्सा बनें और अपने जीवन को राममय बनाएं।

एड. पंकज मिश्रा का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के असल्फा स्थित कार्यालय में रविवार को एडवोकेट पंकज मिश्रा का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर केक काटकर गुलदस्ता भेंटकर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

कार्यक्रम में दलजीत पांडेय,भारत वैभव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडेय, अजय पांडेय, दिनेश सिंह, निलेश तिवारी, चंद्रमोहन तिवारी,राजेश तिवारी, पत्रकार आदेश मिश्र, संदीप दुबे, विवेक पांडेय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने एडवोकेट पंकज मिश्रा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके दीघार्यु एवं सफल जीवन की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके सामाजिक एवं विधिक क्षेत्र में किए जा रहे योगदान की सराहना करते हुए उनके निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की कामना की। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

भिवंडी अपराध शाखा की बड़ी कार्रवाई, शातिर चोरों को गिरफ्तार कर सेंधमारी और वाहन चोरी के 6 मामलों का किया खुलासा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी गुन्हे शाखा ने शहर में घरफोड़ियों और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 6 मामलों की गुत्थी सुलझाते हुए करीब ?7,39,400 का कीमती माल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आजाद सिंह उर्फ धनरी मधुसिंह टाक (उम्र 33) और अजय सिंह उर्फ मामू भूरासिंह दूधानी (उम्र 28) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी गुजरात राज्य के सूरत जिले के डिंडोली क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। ठाणे पोलीस आयुक्तालय के निदेर्शों के तहत शहर में बढ़ रही चोरी और घरफोड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी अभियान के दौरान भिवंडी अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राऊत और उनकी टीम को यह बड़ी सफलता मिली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई।

सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीराज माली और मिथुन भोईर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने नारपोली पुलिस थाने के अंतर्गत 4, जबकि कोनगांव और विरार पुलिस थाने के अंतर्गत 1-1 ऐसे कुल 6 सेंधमारी और वाहन चोरी के मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने उनके पास से सोने-चांदी के आभूषण समेत 7,39,400 मूल्य का माल जब्त किया है। इस सफल कार्रवाई में अपराध शाखा के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी तथा महिला पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भिवंडी पुलिस की इस कार्रवाई से शहर में सक्रिय चोर गिरोहों में हड़कंप मच गया है और नागरिकों ने राहत की सांस ली है।

कबड्डी टूर्नामेंट में पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सांवरा ने लिया हिस्सा

पालघर (उत्तरशक्ति)। जनता राजा सामाजिक सेवा संस्था द्वारा आयोजित 19वें वर्ष के भव्य कबड्डी टूर्नामेंट में पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सांवरा ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। यह आयोजन छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर किया गया था।

इस मौके पर टूर्नामेंट में शामिल होने पर डॉ. हेमंत सांवरा का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों का जोश, अनुशासन और टीम स्पिरिट देखकर खासदार ने खुशी व्यक्त की।

डॉ. सांवरा ने सभी आयोजकों को सफल आयोजन के लिए दिल से बधाई दी तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं।

केसीएन क्लब झारखंड कमेटी द्वारा आयोजित अंतर विद्यालयीय बुद्धि परीक्षण कार्यक्रम संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटिजन्स नीड़ क्लब (केसीएन क्लब) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी के मार्गदर्शन में झारखंड प्रदेश और मंडल कमेटी के संयुक्त प्रयास से 19 फरवरी 2026 को रामाकुंडा पब्लिक एजुकेशन सेंटर कोचिंग संस्थान में अंतर विद्यालयीय बुद्धि परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती महोत्सव के अवसर पर बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास हेतु आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का उद्घाटन केसीएन क्लब के उत्तर प्रदेश कमेटी के युवा मोर्चा प्रदेश सचिव वैज्ञानिक प्रेम प्रजापति द्वारा संस्थापिका के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन पब्लिक एजुकेशन सेंटर कोचिंग संस्थान के प्रमुख रेवत लाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हजारीबाग मण्डल अध्यक्ष रवि कुमार ने की। इस अवसर पर मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित अंतर विद्यालयीय बुद्धि परीक्षण परीक्षा में बालकों और बालिकाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बालकों में मनीष ललित कुम्हार, देव कुमार और आर्यन कुमार मोहाली ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, बालिकाओं में कुमारी मोनी, कुमारी अंजली और कुमारी मुस्कान ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन सभी को मेडल, सम्मान पत्र और पारितोषिक वितरित किये गये। परीक्षण में कुल 40 छात्रों ने भाग लिया। शिक्षक सुशील कुमार कन्नौजिया, पंकज पासवान, उज्ज्वल तायड़े व रोशन गोस्वामी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इसके अलावा, सहयोगी संस्थाओं में पब्लिक एजुकेशन सेंटर कोचिंग संस्थान, मौरा सृजन शिक्षण सेवा संस्थान और जय योगेश्वर गुरुकुल विद्यापीठ एण्ड प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र का भी अहम योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को नशे के खिलाफ शपथ दिलाई गई और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। केसीएन क्लब के राष्ट्रीय प्रवक्ता आचार्य संजय सिंह चन्दन ने बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कारों के महत्व के बारे में बताया। धनबाद जिलाध्यक्ष गार्गी सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और भविष्य में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का भरोसा जताया।

नालासोपारा ईस्ट में ट्रैफिक सुधार के लिए बड़ा फैसला

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा ईस्ट इलाके में बढ़ते ट्रैफिक जाम और आम नागरिकों को हो रही परेशानियों को देखते हुए स्थानीय विधायक राजन नाईक ने अहम कदम उठाया है। विधायक राजन नाईक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वसई विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के ट्रांसपोर्ट विभाग के कैंपस में लंबे समय से खड़ी खराब और अनुपयोगी एसटी बसों को तुरंत हटाया जाए। इन बसों के हटने के बाद उस स्थान का समुचित विकास कर नियोजित तरीके से मार्केट तैयार किया जाएगा। साथ ही, फेरीवालों और रिक्शा स्टैंड को व्यवस्थित करने के लिए एक ठोस प्लान लागू करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि सड़कों पर अव्यवस्था कम हो और यातायात सुचारु रूप से चल सके। इसके अतिरिक्त, नालासोपारा ईस्ट की कुछ प्रमुख सड़कों को ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय कर वन वे घोषित करने का निर्णय लिया गया है। इस कदम से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में सुधार आने की उम्मीद जताई जा रही है।स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि जल्द ही इलाके को ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

भिवंडी के नजराना कंपाउंड में हैप्पी संडे कार्यक्रम ने लौटाई पारिवारिक खुशियाँ

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के नजराना कंपाउंड रहिवासी संघ की ओर से आयोजित हैप्पी संडे कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत सफल एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। रविवार को सुबह 6:00 बजे से 10:00 बजे तक चले इस कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रविवार की छुट्टी के दिन आमतौर पर बच्चे और परिवार के सदस्य मोबाइल फोन में व्यस्त रहते हैं, इसी बढ़ती प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए समिति ने यह अभिनव पहल की। इसका उद्देश्य लोगों को मोबाइल से दूर रखकर शारीरिक गतिविधियों, कला, संस्कृति और पारिवारिक सहभागिता से जोड़ना था जिसमें समिति पूरी तरह सफल रही। कार्यक्रम की खास झलकियाँ कार्यक्रम में खेलकूद, योग एवं जुम्बा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, जूडो-कराटे, नृत्य कार्यक्रम, टैलेंट शो, लाइव सिंगिंग, पॉट मेकिंग, टैटू एवं नेल आर्ट, आर्ट-क्राफ्ट, वॉल पेंटिंग, किड्स जोन, पुराने पारंपरिक खेल, टेबल गेम्स, सेल्फी कॉर्नर, प्राइम वेदांत हास्पिटल द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श तथा अंगदान शिविर के साथ स्वादिष्ट फूड स्टाल जैसे विविध आयोजन किए गए। विशेष बात यह रही कि किसी भी गतिविधि की पुनरावृत्ति नहीं की गई। इससे समिति की उत्कृष्ट योजना, रचनात्मक सोच और कड़ी मेहनत साफ दिखाई दी। बच्चों के चेहरों की मुस्कान और परिवारों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम की सफलता को और भी खास बना दिया।

रहिवासियों ने अपने परिवार के साथ कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और इस सफल आयोजन के लिए नजराना कंपाउंड समिति को हार्दिक बधाई दी। साथ ही भविष्य में भी ऐसे ही सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा जताई। हैप्पी संडे ने साबित कर दिया कि मोबाइल से दूर रहकर भी परिवार के साथ समय बिताना कितना आनंददायक हो सकता है।

भांडुप हनुमान टेकड़ी पर यदुवंशी समाज सेवा संस्था का बाटी-चोखा कार्यक्रम में समाज की एकजुटता का दिखा सशक्त संदेश

भांडुप/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यदुवंशी समाज सेवा संस्था द्वारा भांडुप स्थित हनुमान टेकड़ी पर उत्तर भारतीयों के पारंपरिक और लोकप्रिय व्यंजन बाटी-चोखा का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने न केवल सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और एकजुटता का संदेश भी दिया। संस्था के अध्यक्ष शशिकांत बलिराम यादव की पहल को समाज के विभिन्न वर्गों से सराहना मिली। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। कार्यक्रम की सफलता में जय सिंह यादव और रामेश्वर यादव का विशेष योगदान रहा, जिनकी सक्रिय भूमिका से आयोजन सुव्यवस्थित और अनुकरणीय रहा। इस अवसर पर कमलेश यादव, राम यादव, वीरेंद्र यादव, हरेंद्र यादव, कपिल यादव, प्रमोद यादव, सुनील मौर्य, अरुण सिंह, धर्मदेव यादव, रविंद्र यादव, ओम प्रकाश यादव, बांकेलाल, राजन यादव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने पारंपरिक स्वाद का आनंद लिया और आयोजन की प्रशंसा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यवस्थापकों की अहम भूमिका रही। धर्मदेव यादव, रविंद्र यादव, बांकेलाल, ओम प्रकाश यादव तथा लाल बहादुर उर्फ लालू यादव ने व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संभालते हुए अतिथियों की आवभगत सुनिश्चित की। आयोजकों के अनुसार, भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज को संगठित करने और आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

चाकुओं से गोदकर युवक को उतारा मौत के घाट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बरसठी थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव में चाकुओं से गोद कर युवक को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटनास्थल पर भारी मात्रा में ग्रामीण पहुंच गये। घटना के संबंध में बताया गया है कि जमुनीपुर गांव निवासी शुभम शुक्ला उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्र राजेश कुमार शुक्ला घर के पास स्थित प्राइमरी स्कूल के पास कुछ बच्चे खेल रहे थे वहीं पर मौजूद था।

लगभग 1 घंटे बाद कुछ बच्चों ने आकर उनके घर सूचना दिया कि शुभम शुक्ला गांव में स्थित एक पोखरी के पास खून से लखपत अवस्था में पड़ा हुआ है। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। परिजनों ने देखा कि एक चाकू सीने के बीचो-बीच पेट में लगा हुआ है और दूसरा चाकू नाभि के पास लगा हुआ है। मौके पर काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घायल पड़े हुए शुभम को प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया जहां से चिकित्सकों बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जिला अस्पताल जाते समय उसकी रास्ते में ही मौत हो गई।

अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूत्रों का मानना है कि घटना प्रेम प्रपंच में घटित हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जहां भेज दिया है वहीं गांव में तनाव की स्थिति देखते हुए बड़ी मात्रा में फोर्स तैनात कर दिया गया है। जनपद में लगातार हत्या समेत आदि घटनाएं तेजी से बढ़ रही है ऐसा लगता है कि इस जनपद में जंगल राज कायम हो चुका है।

युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही जौनपुर की बेटी खुशी राय

गार्गी यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसी भी राष्ट्र की समृद्धि और विकास में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। भारत देश इस मामले में भाग्यशाली है कि, यहां युवाओं की संख्या अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक है। युवा अपनी शक्ति ,सामर्थ और उर्जा का सही दिशा में उपयोग कर खुद को विकसित करने के साथ ही देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। उक्त बातें नगर के अचलादेवी घाट स्थित सच्चिदानंद राय मुन्ना व अंजू राय की पुत्री खुशी राय ने विदेशों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर स्वदेश वापसी पर एक मुलाकात के दौरान कहीं। मद्रास क्रिश्चियन कालेज से स्नातक की पढ़ाई कर खुशी राय ने एशिया में प्रथम व वैश्विक स्तर पर आंठवा स्थान रखने वाली नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर से एम.आई.एम. से फाइनेंस में स्पेशलाइजेशन कर परास्नातक की शिक्षा पूरी

किया है। खुशी को अपने देश के साथ ही विदेशों की नामी गिरामी कम्पनियों ने जॉब आफर करना शुरू किया। लेकिन खुशी खुद

विदेशों में हासिल की उच्च शिक्षा, भारत में स्थापित करेगी खुद का उद्योग

का उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने के साथ ही अन्य युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहती है। खुशी ने बताया की विदेश में पढ़ाई के साथ साथ कई अन्य देशों जार्जिया, जापान, मलेशिया, वियतनाम आदि देशों की सभ्यता, संस्कृति और विकास के आयाम को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला। अन्य देशों की तुलना में भारत प्राकृतिक रुप से अधिक समृद्धशाली है, युवाओं की संख्या अधिक है, पर्यावरण व पर्यटन के क्षेत्रों में कार्य करने की असीमित संभावनाए हैं। उन्होंने कहा कि, भारत साधन और संभावनाओं से भरा देश है। युवा साकारात्मक दिशा में उर्जा का सदुपयोग कर नये उद्यम स्थापित कर खुद को समृद्ध बनाने के साथ ही देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित सकते हैं । कई देशों से मिलने वाले हाई पैकेज की नौकरी के आफर को छोड़ खुशी राय, खुद का उद्योग स्थापित करना चाहती है। जिससे की अपने देश में ही खुद को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया की कोई काम छोटा नहीं होता है। जब भी अवसर मिले करियर को शुरू कर देना चाहिए आगे रास्ते खुद बन जाते हैं। युवाओं को नौकरी करने के बजाय खुद के उद्यम को स्थापित करने की दिशा में सोचना और पहल करना समय की मांग है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के धन गबन में आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना बरदह पुलिस ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के अंतर्गत प्राप्त सरकारी धनराशि में गबन के आरोप में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार योजना के तहत प्राप्त रू.5,00,000 की धनराशि में से रू.1,36,274.84 के गबन की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस संबंध में सहायक विकास अधिकारी सौरभ कुमार पुत्र स्वर्गीय राजेन्द्र प्रसाद, निवासी मुस्तफाबाद थाना बक्सा जनपद जौनपुर द्वारा प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया था कि योजना की धनराशि में अनियमितता की गई है। शिकायत के आधार पर थाना बरदह में दिनांक 28 फरवरी 2025 को मु0अ0सं0 409/25 धारा 316(5) बीएनएस के तहत

5 लाख की धनराशि में 1.36 लाख से अधिक के गबन का आरोप, मुकदमा दर्ज

अशोक कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय कन्हैया लाल गुप्ता निवासी ग्राम अबुसईदपुर थाना गम्भीरपुर जनपद आजमगढ़ के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। पुलिस के मुताबिक 22 फरवरी को उपनिरीक्षक पुनीत कुमार श्रीवास्तव मय हमराह टीम के साथ आरोपी को उसके घर ग्राम अबुसईदपुर से सुबह लगभग 10 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में हेड कांस्टेबल पवन कुमार यादव भी शामिल रहे। पुलिस द्वारा बताया गया कि अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार आरोपी के विरुद्ध इसी प्रकरण से संबंधित एक मामला दर्ज है।

पांच दिन बाद लापता बुजुर्ग महिला का कुएं में मिला शव

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र अंतर्गत दिन शनिवार को देर शाम कुएं में उतराया शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव की पहचान राजकुमारी पत्नी रामनाथ उम्र 70 निवासी भंवर के रूप मे हुई घटना की सूचना मिलने पर बभनी पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले कर पोस्ट मार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया इस बाबत प्रभारी निरीक्षक बभनी दिन्नु प्रसाद यादव ने बताया कि मृतका के पति रामनाथ के लिखित तहरीर पर पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है उन्होंने बताया कि राजकुमारी 17 फरवरी को घर से निकली वापस नहीं लौटी तो परिजन जगह जगह खोज बीन करने लगे और दिन शनिवार को घर से महज पच्चीस मीटर की दूरी पर स्थित लड़की कुएं में पानी भरने गई तो कुएं में उतराया शव देखकर शोरगुल करने लगी ,शोरगुल की आवाज सुनकर घरवाले दौड़े तब तक गांव वाले भी इकठ्ठा हो गए लेकिन रात हो गिनती तो दूसरे दिन रविवार को पति रामनाथ ने बभनी पुलिस में सूचना दी सूचना मिलने पर बभनी मौके पर पहुंच कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई।

प्रसिद्ध इत्र व्यवसाय की मनाई गई 54वीं पुण्यतिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के मशहूर इत्र व्यवसाई नबी बक्स खान की 54 वी पुण्यतिथि पर मोहल्ला अहमद खा मंडी स्थित जामा मस्जिद के प्रांगण में स्थित उनकी कब्र पर पुष्प अर्पित कर दुआ ख्वानी करवाई गई। इस मौके पर उनके पौत्र रियाजुल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में जौनपुर और कन्नौज इत्र नगरी के नाम से मशहूर है 60 और 70 के दशक में जौनपुर के इत्र के बड़े कारोबारी में उनके दादा नबी बक्स का भी एक नाम था जिनका सारा कारोबार कोलकाता और ब्रह्मपुर उड़ीसा से होता था उनका स्वर्गवास पवित्र रमजान के महीने के दो रमजान 8 अक्टूबर सन 1972

में हुआ था इस लिए हर वर्ष रमजान की दो तारीख को उनकी पुण्य तिथि मनाया जाता है। इस मौके पर मुख्य रूप से फिरोज अहमद खान, फैजान, सूफियान, आले रसूल बबलू, मुशर्रफ हुसैन बबलू, शमी रिजवान, मिजान, मैसरे आलम, दरोगा खान, आफताब अली, राजू आदि लोगों ने उनके एहसाले सवाब के लिए दुआ ख्वानी करवाई।

व्यापार मण्डल ने प्रधानमंत्री को भेजा आनलाइन व्यापार की समस्या से सम्बन्धित ज्ञापन

जौनपुर सांसद की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि को सौंपा गया ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टण्डन के नेतृत्व में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू लाल गुप्ता एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री/प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द स्वरूप मिश्रा के आह्वान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित ज्ञापन जौनपुर सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की अनुपस्थिति में सांसद के प्रतिनिधि मनोज मौर्य को प्रधानमंत्री कार्यालय भेजने का आग्रह किया। ज्ञापन में निम्न बिंदुओं पर व्यापार मण्डल ने अपनी निवेदित प्रस्तुत किया। वर्तमान में ऑनलाइन व्यापार ई-कॉमर्स के अनियंत्रित और असंतुलित विस्तार के कारण देश के छोटे एवं मध्यम व्यापारियों का व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्थानीय दुकानदार जो वर्षों से समाज की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था की रीढ़ रहे हैं, आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। कंपटीशन एक्ट 2002 की धारा 3 एवं 4 के अन्तर्गत किसी भी उद्यम द्वारा प्रतिस्पर्धा विरोधी समझौते एवं प्रभुत्व के दुरुपयोग पर प्रतिबंध है किन्तु व्यवहार में यह देखा जा रहा है कि प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्म द्वारा भारी छूट डिस्काउंट चयनात्मक विक्रेताओं को प्राथमिकता तथा एल्गोरिदम आधारित मूल्य निर्धारण के माध्यम से बाजार और असामान्य प्रतिस्पर्धा उत्पन्न की जा रही है। निवेदन है कि कम्पटीशन कमिशन आफ इंडिया को विशेष निगरानी एवं

त्वरित कार्रवाई हेतु सशक्त निर्देश प्रदान किये जायं। एफडीआई के अनुसार ई-कॉमर्स में 100 प्रतिशत एफडीआई केवल मार्केट प्लेस मॉडल में अनुमन्य है जबकि इन्वेंटरी बेसड मॉडल में प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कई प्लेटफार्म नियंत्रित विक्रेताओं के माध्यम से इन्वेंटरी मॉडल अपना कर नीति की भावना का उल्लंघन कर रहे हैं।

ऐसे उल्लंघन पर कड़ी दंडात्मक प्रावधान एवं नियमित ऑडिट व्यवस्था लागू किया जाय। कंज्यूमर प्रोटक्शन ई-कॉमर्स रूल 2020 के अनुसार ई-कॉमर्स प्लेटफार्म केवल मध्यस्थ की भूमिका निभाये किंतु निजी लेवल पसंदीदा विक्रेताओं को अनुचित लाभ एवं इन्वेंटरी नियंत्रण से मार्केटप्लेस एवं इन्वेंटरी मॉडल के बीच का अंतर समाप्त हो रहा है। दोनों मॉडलों के बीच स्पष्ट विभाजन हेतु ठोस दिशा निर्देश लागू किया जाय।

जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल उपयुक्त मांग किया कि छोटे पारम्परिक व्यापारियों के संरक्षण हेतु रजिस्टर व्यापारियों को आयुष्मान जैसी स्वास्थ्य बीमा योजना व आग त्रासदी जैसी आपदा पर राहत राशि आदि की व्यवस्था किया जाय, क्योंकि यह ऑनलाइन व्यापार की समस्या लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित कर रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक कि नहीं, बल्कि सामाजिक और असंतुलन भी उत्पन्न कर रही है, क्योंकि छोटे व्यापारी समाज की रोजगार व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी से उपयुक्त मांग करते हुए व्यापार मंडल ने उम्मीद जताई कि जल्द ही व्यापारियों की परेशानियों को महसूस करते हुए उचित निर्णय लेंगे।

तौहीद खॉन व साहिर अली खॉन ने रखा रोजा

- नन्हें रोजेदार बच्चों के जिद के आगे झुके लोग, घर में खुशी
- नन्हें मुन्ने रोजेदार बच्चों से, रोजा न रखनें वालों को लेनी चाहिये सीख
- रमजान के पवित्र माह में रोजा रखकर दोनों बच्चों नें किया मिशाल पेश

गुड़िया बिन्द

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रमजान के पवित्र माह में इबादत के लिए बच्चे भी रोजा रख रहे हैं। नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नंबर (9) के निवासी पूर्व प्रधानाचार्य तुफानी खॉन के दोनों नातियों नें रोजा रखकर एक मिशाल पेश किया है। और बेरोजेदार लोगों को सीख दी है कि आप को भी पवित्र माह रमजान में सभी लोगों को रोजा रखकर सवाब हासिल करना चाहिये। और अपनें किये गुनाहों से तौबा करना चाहिये। मोहल्ला सिपाह निवासी अमजद खॉन समाजसेवी के दोनों भांजों साहिर अली खॉन सात वर्ष व तौहीद खॉन 8 वर्ष नें पूरे दिन का रोजा रखकर सब्र और अल्लाह की इबादत में वक्त बिताया। कम उम्र में रोजा रखकर साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन नें न सिर्फ अपनें परिवार, बल्कि आसपास के लोगों को भी प्रेरित किया। स्वजनों के अनुसार घर के अन्य सदस्य जब रोजा रखकर इबादत कर रहे थे, तो साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन दोनों

भाइयों का भी मन रोजा रखने को मचल उठा। दोनों नन्हें मुन्ने बच्चों ने खुद रोजा रखनें की इच्छा जताई। घर के लोगों नें उम्र को देखते हुए उसे समझानें की कोशिश की, लेकिन नन्हें रोजेदार बच्चों की ज़िद के आगे उनकी एक न चली। आखिरकार परिवार नें उसकी भावना (शौक) का सम्मान करते हुए दोनों बच्चों को रोजा रखने की इजाजत दे दी। साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन दोनों बच्चों नें परिवार के साथ सहरी की और पूरे दिन धैर्य व संयम के साथ रोजा निभाया। नमाज के दौरान दोनों बच्चों नें अल्लाह की बारगाह में देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआएं मांगी। शाम को अजान होते ही साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन इफ्तार कर अपना पहला रोजा मुकम्मल किया। साहिर अली खॉन की मां रोशनी खानम और तौहीद खॉन की मां सकीना बानों नें बताया कि रमजान का माहौल और घर में इबादत देखकर बेटे के मन में रोजा रखने की चाह जागी बेटे का हौसला देखकर उन्हें फख्र महसूस हुआ। नन्हें रोजेदार के पहले रोजे पर घर में खुशी का माहौल रहा अल्लाह दोनों बच्चों को सेहत अता फरमाए और घर के लोगों को रिज्क अता फरमाए हर बलाओं से महफूज रखे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने बीमा योजनाओं के लाभार्थी किसानों को प्रदान किया क्षतिपूर्ति

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं राजस्व तथा आपदा विभाग के माध्यम से संचालित बीमा योजनाओं के लाभार्थी किसानों को ऑन क्लिक डीबीटी के माध्यम से क्षतिपूर्ति प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत मौसम की प्रतिकूल परिस्थिति होने पर खरीफ 2025 के अन्तर्गत 11584 कृषकों को रू-42626375.00

की क्षतिपूर्ति कृषकों के बैंक खाते में भेजी गयी है तथा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत कुल 40 लाभार्थियों को प्रति लाभार्थी 5 लाख रुपए, कुल 2 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गयी है। जनपद स्तर के कार्यक्रम का लाईव प्रसारण आयुक्त कार्यालय सभागार में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसी के साथ-साथ जनपद के तहसील एवम् विकास खण्ड स्तर पर भी कार्यक्रम का लाईव प्रसारण कराया गया, जिसमें भारी संख्या में लाभार्थी कृषक उपस्थित रहे। जनपद स्तर के कार्यक्रम में लाभार्थी कृषकों सहित परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण/प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी संजय कुमार नायक, मुख्य राजस्व अधिकारी अजीत परेश, जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह, सांख्यिकीय अधिकारी मुकेश कुमार यादव, अपर सांख्यिकीय अधिकारी गंगेश कुमार सिंह, फसल बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश यादव उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जिन कृषकों द्वारा रबी 2025 के अन्तर्गत अपनी फसल का बीमा कराया गया है, मौसम की प्रतिकूल परिस्थिति यथा-रोगों, कीटों से क्षति, ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटना, बिजली गिरने से क्षति तथा फसल कटाई के उपरान्त आगामी 14 दिन की अवधि तक खेत में सुखाई हेतु रखी हुई फसल को ओलावृष्टि, चक्रवात, बेमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान की स्थिति में कृषक भाई हेल्पलाइन नम्बर-14447 अथवा जिला कृषि अधिकारी/उप कृषि निदेशक कार्यालय में फसल क्षति के 72 घण्टे के अन्दर सूचित करें, जिससे योजनान्तर्गत नियमानुसार कृषक को क्षतिपूर्ति प्रदान कराया जा सके।

दुनिया की सबसे युवा महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट

19 साल की उम्र में नंदिनी अग्रवाल ने भारत के सबसे कठिन सीए एग्जाम को किया क्रैक और ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की 614/800 अंक के साथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के मोरना की यह लड़की गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हुई, लेकिन दुनिया शांत रही। कोई मीडिया हेडलाइन नहीं, कोई सेलिब्रेशन नहीं। लेकिन नंदिनी ने इस साइलेंस को अपनी ताकत बनाया। 13 साल की उम्र में 10वीं की पढ़ाई पूरी 15 साल में 12वीं की पढ़ाई पूरी और 19 साल में सीए बन गई। नंदिनी की कहानी हमें यह सिखाती है कि सच्चा सफलता का मतलब पहचान नहीं, बल्कि जुनून और लगन से है। जब आपका सपना आपका साथ देता है, तो दुनिया की आवाज मायने

नहीं रखती।

सीख: अपनी मेहनत और लगन पर भरोसा रखो, सफलता खुद-ब-खुद आपके कदम चूमेगी।

विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने महराजगंज को नगर पंचायत और सिंगरामऊ को ब्लॉक बनाने का मुद्दा उठाया

सदन में बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी समस्याओं बिजली, पानी और सड़क का उठा मुद्दा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर-प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिवस की कार्यवाही में गुरुवार को बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र उपस्थित हुए। विधायक ने सदन में विकास के ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने जनहित से जुड़े गम्भीर मुद्दों पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराया।

उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जारी बजट परिचर्चा में सम्मलित होकर सदन के समक्ष अपना वक्तव्य अवधी भाषा में दिया। विधायक ने महराजगंज को नगर पंचायत और सिंगरामऊ को ब्लॉक बनाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि महराजगंज के नगर पंचायत और सिंगरामऊ के ब्लॉक बन जाने से जनता को नगर और विकासखंड से संबंधित सुविधाओं का लाभ

मिलेगा। विकास के क्षेत्र में पिछड़ापन की समस्या दूर होगी। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग 731 मिरशादपुर से तेजीबाजार होते हुए मछलीशहर, सिंगरामऊ से पुरालाल, बाबूगंज से पृथ्वीगंज मार्ग के चौड़ीकरण किए जाने, बाबूगंज में विद्युत सब स्टेशन बनाए जाने की मांग भी किया। साथ ही देश के सबसे बड़े बजट का समर्थन अवधी भाषा में किया। जनसहभागिता से बदलापुर विधानसभा में पीली नदी के जीर्णोद्धार से भी सदन को अवगत कराया।

सार्थिक मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, कृषि सम्मान निधि, आवास योजना समेत विभिन्न योजनाओं में जौनपुर जिले को अग्रणी बताया। साथ ही विधानसभा बदलापुर की प्रमुख समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रमुख मांगो को सदन के समक्ष रखा। साथ ही देश के सबसे बड़े बजट का समर्थन अवधी भाषा में किया।

फरार आरोपी के घर पुलिस ने चस्पा की नोटिस

पत्रकार और पत्रकारिता के लिए आरोपी ने किए थे सोशल मीडिया पर अपमानजनक शब्दों के प्रयोग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र में पुलिस ने 21 फरवरी 2026 को एक अभियुक्त के घर नोटिस चस्पा किया है। यह कार्रवाई विवेचना में सहयोग न करने और बयान दर्ज न कराने के कारण की गई है। अभियुक्त को 23 फरवरी 2026 तक थाने में पेश होने का निर्देश दिया गया है। यह नोटिस निलेश यादव पुत्र राम अवध यादव के बेल्हा स्थित आवास पर चस्पा किया गया है। निलेश यादव बक्शा थाने में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 52/2026 में वांछित हैं। इस मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता (BNSS) की धारा 352 और 351(3) के प्रावधान लागू हैं। मामले की विवेचना कर रहे उपनिरीक्षक और चौकी प्रभारी सकलदीप सिंह ने अभियुक्त निलेश यादव को नोटिस के माध्यम से सूचित किया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि वे वांछित हैं और भारतीय न्याय संहिता (BNSS) की धारा 35 के प्रावधानों के तहत उनकी उपस्थिति आवश्यक है। अभियुक्त को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित तिथि तक बक्शा थाने में उपस्थित होकर अपराध की विवेचना नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि वे वांछित हैं और भारतीय न्याय संहिता (BNSS) की धारा 35 के प्रावधानों के तहत उनकी उपस्थिति आवश्यक है। अभियुक्त को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित तिथि तक बक्शा थाने में उपस्थित होकर अपराध की विवेचना और विचारण की कार्यवाही में सहयोग करें। नोटिस का पालन न करने की स्थिति में उनके विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कानून को ठेंगा दिखाते हुए एक ही जगह पर जमे कई वर्षों से अधीक्षक

- केराकत में बना चर्चा का विषय, नीम-हकीम खतरे जान इनकी कब होगी पहचान
- आखिर क्यों नहीं हो रही है इन झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही
- आखिर सीधे सीधे मरीजों की जान से कब तक होता रहेगा खिलवाड़

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर फजीवाड़े का गोरख धंधा खुले आम चल रहा है। फर्जी डिग्री बनवाकर बने फर्जी डॉक्टर लोगों के जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत के अधीक्षक कान में तेल डाले मौन चुप्पी साधे बैठे हैं। कई चिकित्सक बिना मानक के और बिना लाइसेंस के नर्सिंग होम व पाली क्लीनिक, डिस्पेंसरी खोलकर बैठे हैं मानो यह अस्पताल न होकर किराने की दुकान होकर अपने ही अस्पतालों में पैथोलॉजी खोलकर जांच के नाम मनमाने पैसे वसूले जाते हैं। सूत्र बताते हैं की आशा कार्यकत्रियों की मिली भगत भी इन खेल को बढ़ावा दे रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत की आशा लालच में आकर वे मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों व नर्सिंग होम और क्लीनिक में भर्ती करती हैं और मोटी रकम वसूलती हैं । चौंकाने वाली बात यह है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत के महज 100 मीटर के अंदर में ही कई ऐसे नर्सिंग होम क्लीनिक सक्रिय है, जहां मरीजों की जिंदगी से खेल खेला जा रहा है मरीज आते हैं तो इस तरह डराया जाता है कि उनका पूरा दिन का खर्च वसूल हो जाता है।

सरकार ने आशा कार्यकत्रियों की नियुक्ति स्वास्थ्य योजनाओं को अपने क्षेत्र में घर-घर तक पहुंचाने और गर्भवती महिलाओं को जागरूक करने के लिए की थी लेकिन अब यह नेटवर्क फर्जी अस्पतालों का सहायक बन गया है। स्पष्ट है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत के अधीक्षक की चुप्पी और मिली भगत के बिना यह खतरनाक धंधा फल फूल नहीं सकता, नियमानुसार एक स्वास्थ्य केंद्र पर 3 वर्ष से ज्यादा रहने का अधिकार नहीं है, अब देखना है कि प्रशासन कब तक कान में तेल डाले आंख मूंद कर चुप्पी साधे बैठे रहते हैं ,और कब मरीजों की जिंदगी से हो रहे इस खुले खेल पर नकेल कसी जाती है। इस सम्बन्ध में समाजसेवी रामसरन यादव समेत आदि लोगों नें जांच कर कार्यवाही की मांग किया है।

रमजान व होली के त्योहारों को देखते हुए पिपरी थाना में पीस कमेटी की हुई बैठक

सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। आगामी होलिका दहन एवं रमजान पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पिपरी थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष श्रीवास्तव ने की, जिसमें थाना क्षेत्र के ग्राम प्रधान,नगर अध्यक्ष,बिजली विभाग, सभासद,पत्रकार व समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान थानाध्यक्ष श्रीवास्तव ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि रात्रि 10 बजे के बाद किसी भी प्रकार का डीजे, तेज आवाज में साउंड सिस्टम या आपत्तिजनक संगीत बजाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण से आम नागरिकों, बुजुर्गों, बच्चों एवं बीमार व्यक्तियों को परेशानी होती है, इसलिए शासन के निदेर्शों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि निर्धारित समय से पहले या बाद में होलिका दहन करने पर भी संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह, हुड़दंग, अश्लील गीत, रंगों के नाम पर उत्पात या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। थानाध्यक्ष ने सभी ग्राम प्रधानों एवं समाजसेवियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें, त्योहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। बैठक में अजीत गुप्ता अध्यक्ष उप्र उद्योग व्यापार संगठन, आफताफ अहमद, चंद्र प्रकाश दुबे, प्रदीप सिंह सभासद, जिलानी सभासद, मुन्ना बाबू नगर पंचायत रेणुकूट, शैलेश तिवारी, बिजली विभाग डब्लू सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना का स्वागत किया गया

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ दौरे पर आए उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का उत्तर प्रदेश अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के महासचिव प्रमोद सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री मोती सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ में पीएम सूर्य घर योजना पर उच्चस्तरीय बैठक

सौर ऊर्जा विस्तार पर बनी रणनीति तेजस्वी किसान मार्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सौर ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने और ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऊर्जा आत्मनिर्भरता, जनजागरूकता अभियान और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को लेकर विस्तृत मंथन हुआ। बैठक में मुख्य रूप से एस.के. सिंह (पूर्व उप महाप्रबंधक, कृभको लखनऊ), ई. प्रकाश पांडेय (संस्थापक, तेजस्वी संगठन), अधिवक्ता सौरभ सिंह यादव (प्रदेश अध्यक्ष, तेजस्वी युवा समिति), वी एंड पी सोलर के प्रबंध निदेशक परून यादव, विनीत त्रिवेदी, राकेश कुमार, तेजस्वी किसान मार्ट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री हिमांशु चतुवेर्दी, वैभव, आलोक एवं राहुल सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना आम नागरिकों को निःशुल्क/सब्सिडी आधारित सोलर रूफटॉप सुविधा प्रदान कर बिजली बिल में राहत देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक ऐतिहासिक पहल है। इस योजना को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्थापना तथा पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने पर बल दिया गया। ई. प्रकाश पांडेय ने कहा कि तेजस्वी संगठन और तेजस्वी किसान मार्ट के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक परिवार योजना का लाभ उठा सकें।

साथ ही एफपीओ एवं स्वयं सहायता समूहों को जोड़कर ग्रामीण युवाओं को सोलर इंस्टॉलेशन एवं मेंटेनेंस कार्य में प्रशिक्षित कर स्वरोजगार से जोड़ने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। बैठक का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि सौर ऊर्जा को जनआंदोलन का रूप देकर उत्तर प्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल ने इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर एंड ब्लड डिसऑर्डर्स की शुरूआत की

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत का पहला 100 प्रतिशत एफडीआई-वित्तपोषित तृतीयक देखभाल अस्पताल, सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल ने अपने उन्नत और एकीकृत इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर एंड ब्लड डिसऑर्डर्स का शुभारंभ किया। यह समर्पित केंद्र सटीकता-आधारित, तकनीक-सक्षम और मरीज-केंद्रित कैंसर एवं हीमेटोलॉजी उपचार को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। हेल्पिंग द बॉडी - हीलिंग द सोल की विचारधारा से प्रेरित यह संस्थान उपचार के हर चरण में करुणामय देखभाल, स्पष्ट संवाद और निरंतर सहयोग पर विशेष बल देगा। संस्थान का उद्घाटन मुख्य अतिथि अरविंद लिंबावली, पूर्व वन मंत्री, कर्नाटक सरकार एवं पूर्व विधायक की उपस्थिति में किया गया। उद्घाटन अवसर पर अरविंद लिंबावली ने कहा कि सकरा हॉस्पिटल ने विशेषकर कोविड जैसे चुनौतीपूर्ण समय में हमारे क्षेत्र की प्रतिबद्धता और करुणा के साथ सेवा की है। तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र में समय पर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। डॉ. विनीत गुप्ता, निदेशक एवं प्रमुख झ इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर एंड ब्लड डिसऑर्डर्स, सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल ने कहा कि चिकित्सा अनुसंधान और तकनीक में प्रगति के कारण आज कई प्रकार के कैंसर प्रारंभिक अवस्था में पहचान होने पर अत्यधिक उपचार योग्य हैं। भारत में हर वर्ष 14 लाख से अधिक नए कैंसर मामलों की रिपोर्ट होती है, फिर भी जागरूकता की कमी और विलंबित निदान के कारण अधिकांश मरीज उन्नत अवस्था में सामने आते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान है डॉक्टर अब्दुल कादिर खान का बदलते लम्हे उन्हीं को सलाम करते हैं

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलते लम्हे उन्हीं को सलाम करते हैं जो एक हयात में सदियों का काम करते हैं। उर्दू के शेर को डॉक्टर अब्दुल कादिर खान अपने व्यक्तित्व से चरितार्थ कर रहे है। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन के लिए जनपद इन्हें सदैव याद करता रहेगा। शिक्षा विद मौलाना अबुल कलाम आजाद, मोहम्मद अली जौहर, डॉक्टर जाकिर हुसैन, सर सैयद अहमद, पंडित मदन मोहन मालवीय, एल्फ्रेड लायर, अल्लामा शिबली नोमानी, ठाकुर तिलकधारी सिंह जैसी विभूतियों ने सोचा था कि शिक्षा के बिना देश की उन्नति संभव नहीं है। जनपद में शिक्षा की जहां तक बात है तिलकधारी महाविद्यालय, राज कॉलेज, राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, गणेश राय महाविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों की चर्चा होती है। इधर दो दशकों में मोहम्मद हसन महाविद्यालय का नाम तेजी से उभरा है। डॉ अब्दुल कादिर खान के नेतृत्व में इस शिक्षण संस्थान ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां से छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा मिल रही है। खेलकूद के क्षेत्र में भी यहां के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इतना ही नहीं डॉक्टर कबीर के निर्देशन में आईटीआई कॉलेज महिला कॉलेज, डालिम्स स्कूल जैसे आधा दर्जन संस्थान यहां के युवाओं के भविष्य को संवारने में लगे हैं। आज केवल जौनपुर ही नहीं बल्कि समूचा पूर्वांचल ऐसे व्यक्तित्व पर गर्व करता है।

पारंपरिक ढंग से मनेंगे होली, ईद व रमजान खलल डालने वालों पर होगी सख़्त कार्रवाई : थानाध्यक्ष

इम्तियाज अहमद

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अगामी होली, ईद और रमजान को लेकर थाना परिसर में पीस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु, व्यापारी वर्ग, ग्राम प्रधान, सभासद एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ कि सभी त्योहार पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार ही मनाए जाएंगे। कोई नई परंपरा नहीं शुरू होगी, जिससे सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनी रहे।

थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने दो टूक कहा कि त्योहारों में शांति भंग करने या माहौल खराब करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।आमजन से अपील की गई कि, अफवाहों से बचें,संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें,जुलूस, नमाज व अन्य धार्मिक कार्यक्रम निर्धारित मार्ग व समय से ही आयोजित करें। धर्मगुरुओं व समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि हमारे त्योहार प्रेम, भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक हैं। सभी नागरिक प्रशासन का सहयोग करें और शांति बनाए रखें।

डॉ. टीकेयू पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में बच्चों ने जीता दर्शकों का दिल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के खुटहन अस्पताल रोड स्थित डॉ. टीकेयू पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव रविवार को धूमधाम से मनाया गया है। छात्रों के द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय गीत, एकांकी नाटक, कौव्वाली , सामूहिक नृत्य ने उपस्थितों का मन मोह लिया। प्री प्राइमरी के नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की खूब सराहना की गई। कार्यक्रम के शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ विजय चतुवेर्दी ने देवी सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि परिवार बच्चे की प्रथम पाठशाला है। यहीं से शिक्षा और संस्कारों का आविर्भाव होता है। आज के परिवेश में बच्चे को होस संभालने से पूर्व ही मोबाइल थमा दिया जाता है। आगे बाल्यावस्था में मोबाइल उसके चतुर्दिक विकास में सबसे बड़ा बाधक बन जाता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल से दूर रखने की अपील किया। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्राजापति ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बस उन्हें तराश कर निखारने की जरूरत है। यह काम परिवार के बाद सिर्फ शिक्षक ही कर सकता है। साहित्य के क्षेत्र में भारत रत्न अंबेडकर अवार्ड से सम्मानित मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पाण्डेय ने कहा कि हम शैक्षिक क्षेत्र में तो आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन हमें बच्चों के नैतिक कर्तव्यों के विषय में विशेष रूप से सोचने की जरूरत है। हमारी संस्कृति शिक्षा के साथ साथ संस्कारों के समावेश की रही है। इस तरफ अभिभावकों और शिक्षकों विशेष ध्यान देने की जरूरत है।समारोह को नगरपालिका चेयरमैन श्रीमती मनोरमा मौर्या, ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव, कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रमोद सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामचन्द्र मिश्रा, विनोद तिवारी, पूर्व प्रधान साधू तिवारी, प्रबंधक सुशील मिश्र, शिक्षक नेता नरसिंह बहादुर सिंह और अमरनाथ मिश्रा ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता प्रबंधक साकेत कुमार पाण्डेय तथा संचालन पत्रकार प्रमोद पाण्डेय ने किया। विद्यालय के छात्रों को प्रशिक्षित कर अभिनय की बेहतर गुर सिखाने वाली शिक्षिका मनीषा देवी की खूब प्रशंसा की गई। विद्यालय प्रबंधक देवेश उपाध्याय ने उपस्थित समस्त लोगों का स्वागत व आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में किरन हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम के संचालक डॉ अरुण यादव, वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉक्टर आर एस विश्वकर्मा, पत्रकार शिवशंकर दुबे, पत्रकार संगम पांडे, पत्रकार गोकर्ण पांडे, पत्रकार रिंकू उपाध्याय, पत्रकार मानवेंद्र उपाध्याय, शशिधर शर्मा, युवा समाजसेवी बजरंगबली उपाध्याय गुड्डू अफसर अहमद, एड लालता यादव, पुत्तीलाल यादव , सतीश चंद्र त्रिपाठी, नितिन उपाध्याय दुर्गेश यादव, विजय बहादुर यादव ,संतोष शर्मा, जयप्रकाश दुबे, रामसूरत मौर्या, ओम प्रकाश तिवारी, हरिप्रकाश , परवेज अहमद, प्रवीण यादव, प्रमोद यादव ,सुभाष यादव, सीमा यादव , संतोष गुप्ता, रोशन उपाध्याय, रामाश्रय यादव समेत अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

मन को एकाग्र करने के लिए भगवान की भक्ति आवश्यक- राहुल जी महाराज

रामनगर । क्षेत्र के होरैया गांव में शुद्धू सिंह के यहां आयोजित श्रीमद भागवत कथा का आयोजन हुआ जिसमें कथा वाचक राहुल जी महाराज ने श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मन को बड़ी सावधानी से लगाना चाहिए, नहीं तो मन का ध्यान विष पर चला जाएगा। राहुल जी महाराज ने भरत के जीवन की एक कथा सुनाई जिसमें उन्होंने बताया कि भरत के पिता चाहते थे कि भरत को अच्छी शिक्षा मिले, लेकिन भरत का ध्यान भगवान के चरणों में था। उन्होंने कहा कि भरत ने अपने पिता की इच्छा का सम्मान करते हुए शिक्षा प्राप्त की, लेकिन उनका मन हमेशा भगवान के चरणों में ही लगा रहा। कथा वाचक ने कहा कि हमें भी अपने मन को भगवान के चरणों में लगाना चाहिए, ताकि हमारा जीवन सार्थक हो सके। उन्होंने कहा कि मन को एकाग्र करने के लिए हमें भगवान की भक्ति करनी चाहिए और उनके नाम का जाप करना चाहिए। कहा कि भगवान की मंगलमय कथा जीवों के परम कल्याण के लिए है कथा के दौरान श्रोताओं ने बड़ी श्रद्धा से भगवान के नाम का जाप किया और उनकी भक्ति की। इस अवसर पर पूर्व प्रधान सत्य प्रकाश सिंह मुन्ना, ओमप्रकाश सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह , जयनारायण पांडेय, लल्लन सिंह पूर्व प्रधानाचार्य, प्रेमचंद उपाध्याय, दीपक सिंह, पप्पू सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे। कथा के आयोजन में गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।

ताला तोड़कर घर में घुसे चोरों ने की दो लाख के गहने चोरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइनबाजार क्षेत्र के चंद्रिका सिंह कालोनी में शनिवार की रात लगभग नौ बजे चोरों ने एक के घर को निशाना बनाया।चोर मेन गेट का ताला तोड़कर घर में घुस गए उसके बाद उन्होंने कई अलमारियों को तोड़ डाला। आलमारी के लॉकर को तोड़कर सात हजार रुपये नगद सहित लगभग दो लाख का गहना उठा ले गए। बताते है कि उमेश मिश्रा ने लाइन बाजार क्षेत्र चंद्रिका सिंह कालोनी में मकान है।

पिछले कुछ दिनों से उनका परिवार गांव में रहता है। मकान पर उनका पुत्र रहता है। शनिवार की शाम को छह बजे उनका पुत्र गांव चला गया। नौ बजे श्री मिश्र अपनी पत्नी के साथ जब मकान पर पहुंचे तो देखा। ढाई घण्टे में घर मे किसी की मौजूदगी नही होने का फायदा उठाते हुए चोर घर के मेन गेट का ताला तोड़ घर में घुस गए और बारी बारी से सभी कमरों की आलमारी का ताला व लॉकर तोड़कर पूरे घर को खंगाल डाला।

उमेश मिश्रा ने बताया कि चोर एक सोने कि चैन, चांदी का प्लेट, नारियल, सुपारी, पायल सहित कुछ गहने सहित व सात हजार नगदी उठा ले गए। पीड़ित ने घटना की सूचना पर सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता को दी गयी। उन्होंने तत्काल टीडी कालेज चैकी प्रभारी अरविंद यादव को मौके पर भेजा।

उन्होंने रात से ही कालोनी में लगे सीसी कैमरे की जांच पड़ताल शुरू कर दिया। ज्ञात हो पिछले वर्ष कालोनी के नरेंद्र बहादुर सिंह के आवास पर 14 नवम्बर की रात को सात लाख रुपये के गहने की चोरी हुई थी। कालोनी के ही अखिलेश सिंह की बॉइक सहित कई अन्य चोरी हुई की घटना हुई है। इस घटना से पूरे कालोनी के लोग दहशत में है।

इंदौर सुदामा नगर निवासी श्रीमती रंजना पाठक नहीं रही

इंदौर(उत्तरशक्ति)। पंडित समाजसेवी राजेंद्र पाठक की धर्मपत्नी श्रीमती रंजना पाठक का आकस्मिक निधन 22 फरवरी 2026 दिन रविवार को प्रातः 5 बजे उनके आवास पर हो गया हैं, जिनका अंतिम संस्कार दिनांक 22/02/2026 को मुक्तिधाम पर किया गया। उनके पति राजेंद्र पाठक ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया। श्रीमती रंजना पाठक एक सरल,सहज,मृदुभाषी एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी।समाज के लिए भी उन्होंने अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। समाजिक कार्य में वे सदैव अग्रणी भूमिका निभाती थी । उनके निधन पर कई गणमान्य लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर परिवार वालों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। परमात्मा निज आत्मा को सांची शांति आप दें। उन्होंने ने अपने पिछे पुत्र विशाल पाठक, प्रशांत पाठक, बेटी रश्मि पांडे, प्रियंका पाठक, शिरीष पांडे, पोती प्रिशा सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई है। उनका शोक सभा प्रति दिन निजी आवास 2291 सेक्टर नौ डी सुदामा नगर पर रखी गई है।यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणीत तिवारी ने दी है।

काशी में ब्रज के रंग : जन्मभूमि से विश्वनाथ धाम तक पहुंचेगी भक्ति की गुलाल यात्रा

सुरेश गांधी

वाराणसी। सनातन परंपरा में आस्था और उत्सव का अद्भुत संगम इस वर्ष रंगभरी एकादशी पर एक बार फिर देखने को मिलेगा, जब श्री कृष्ण जन्मभूमि से भक्ति और रंगों से सजी गुलाल यात्रा काशी विश्वनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी। ब्रज और काशी की सांस्कृतिक एकात्मता का यह आध्यात्मिक सेतु 27 फरवरी को रंगभरी एकादशी के अवसर पर अपने चरम पर होगा।

मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से निकलने वाली यह परंपरागत गुलाल यात्रा केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि शिव और कृष्ण भक्ति के आध्यात्मिक मिलन का प्रतीक बन चुकी है। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस बार भी सवा मन गुजिया प्रसाद, गुलाल, नील गुलाल, फल-पुष्प और ब्रज की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ शोभायात्रा भव्य रूप में काशी के लिए रवाना होगी।

रंगभरी एकादशी को काशी में बाबा विश्वनाथ की होली का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव, माता पार्वती को गौना के बाद पहली बार काशी लाते हैं और पूरा नगर रंगों में सराबोर हो उठता है। इस परंपरा में जब ब्रज की लठामार, पुष्प और गुलाल होली का रंग जुड़ता है, तो उत्सव का आध्यात्मिक विस्तार और भी विराट हो जाता है। 26 फरवरी को प्रातः हरिनाम संकीर्तन और मंगलध्वनि के मध्य ठाकुर श्रीकेशवदेव मंदिर परिसर से गुलाल यात्रा प्रारंभ होगी, जो सुसज्जित वाहन से वाराणसी के लिए रवाना होगी।

अगले दिन रंगभरी एकादशी पर ब्रज से आए कलाकार फाग, नृत्य और पुष्पवर्षा के साथ बाबा विश्वनाथ के दरबार में भक्ति का रंग बिखेरेंगे। विशेष बात यह है कि पहली बार ब्रज के ग्वाल-गोपी स्वरूप कलाकार काशी विश्वनाथ धाम के प्रांगण में पुष्प होली और गुलाल होली का जीवंत प्रदर्शन करेंगे। नील गुलाल और भस्म की शिव परंपरा के साथ ब्रज की रसमय फाग का यह संगम श्रद्धालुओं को अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभूति कराएगा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसे सनातन सांस्कृतिक एकता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है। संस्थान का उद्देश्य देश के प्रमुख मंदिरों के बीच धार्मिक-सांस्कृतिक सहभागिता को बढ़ाना है, ताकि आस्था का यह रंग पूरे भारत को एक सूत्र में बांध सके। रंगभरी एकादशी पर जब काशी में ब्रज का रंग घुलेगा, तब यह केवल होली का उत्सव नहीं, बल्कि परंपरा, संस्कृति और भक्ति के विराट समागम का जीवंत दृश्य होगा।

एलन करियर इंस्टिट्यूट के छात्र शुभम कुमार का पटना में भव्य स्वागत, विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

पटना(उत्तरशक्ति)। राजधानी पटना में उस समय जश्न का माहौल बन गया जब एलन करियर इंस्टिट्यूट के छात्र शुभम कुमार ने जेईई मेन परीक्षा में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त कर बिहार टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। परिणाम घोषित होते ही संस्थान परिसर से लेकर शहर की सड़कों तक उत्सव का माहौल देखने को मिला। यह उपलब्धि न केवल संस्थान बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गई है। पटना स्थित आशियाना-दीघा सेंटर में शुभम कुमार के सम्मान में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों और फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान शुभम को पुष्पमाला और स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शुभम ने अपनी सफलता का मंत्र साझा करते हुए कहा कि नियमित अभ्यास, निरंतर टेस्ट एनालिसिस और शिक्षकों के मार्गदर्शन पर विश्वास ही मेरी सफलता का आधार है। शुभम के माता-पिता ने भावुक होकर कहा कि वर्षों बाद बिहार को 100 पर्सेंटाइल टॉपर मिला है, जो पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक क्षण है। सम्मान समारोह के पश्चात पटना के सूर्या क्रिस्टल से बोरिंग रोड चौराहा तक भव्य रोड शो निकाला गया। इस विजय जुलूस में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने भाग लिया। सीनियर वीपी पंकज बिरला ने कहा कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और सही मार्गदर्शन ही सफलता की कुंजी है। जोनल हेड डॉ. विपिन योगी ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बधाई दी। सेंटर हेड चेतन शर्मा ने कहा कि उचित दिशा और अनुशासित वातावरण में बिहार के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। मात्र दो वर्षों में एलन पटना ने राज्य में अपनी मजबूत शैक्षणिक पहचान स्थापित की है। कोटा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संस्थान ने 40 से अधिक विद्यार्थियों को 99 पर्सेंटाइल से ऊपर परिणाम दिलाया है। शुभम कुमार की यह ऐतिहासिक उपलब्धि आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और बिहार के शैक्षणिक भविष्य को नई दिशा देगी।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग में आयोजित हुआ विशेष व्याख्यान, मुख्य वक्ता डॉ. आशीष तिवारी ने डिफरेंशियल इक्वेशन्सः प्रॉपर्टीज ऑफ सॉल्यूशन्स विषय पर रखी बात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान के गणित विभाग में शनिवार को डिफरेंशियल इक्वेशन्सः प्रॉपर्टीज ऑफ सॉल्यूशन्स विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नॉलजी, पिलानी के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष तिवारी रहे। अपने व्याख्यान में डॉ. तिवारी ने सर्वप्रथम अवकल समीकरण की संकल्पना तथा उसके हलों की मूल प्रकृति को स्पष्ट किया। इसके उपरांत उन्होंने अवकल समीकरणों के हलों के विभिन्न गुणधर्मों का विस्तृत विवेचन किया। उन्होंने स्टर्मझपॉइंक्रे प्रमेय तथा स्टर्म तुलना प्रमेय को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया। व्याख्यान के अंत में मुख्य वक्ता ने त्रिकोणमितीय और हाईपरबोलिक फलनों के शून्यक पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ गणित विभागाध्यक्ष प्रो. मिथिलेश सिंह के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने मुख्य वक्ता सहित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए व्याख्यान के महत्व पर प्रकाश डाला। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अपने संबोधन में संस्थान तथा विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ. आशीष तिवारी का परिचय डॉ. दीपक कुमार मौर्य ने विद्यार्थियों को कराया। कार्यक्रम का संचालन सौरभ कुमार सिंह ने किया तथा समापन अवसर पर डॉ. आशीष वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस व्याख्यान में संस्थान के समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

आजाद समाज पार्टी का संवैधानिक अधिकार बचाओ भाईचारा बनाओ महारैली 25 फरवरी को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजाद समाज पार्टी कांशीराम व भीम आर्मी के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जोन में संवैधानिक अधिकार बचाओ भाईचारा बनाओ महारैली रहा का आयोजन कियाजा रहा है। इसी क्रम में वाराणसी जोन के जनपद में 25 फरवरी 2026 को संवैधानिक अधिकार का आयोजन सदर है किसके लिए जौनपुर में बचाओ भाईचारा बनाओ महारैली कृष्ण इण्टर कालेज मीरगंज पकड़ी चौराहा प्रयागराज रोड जौनपुर किया गया है ।जनपद जौनपुर सहित वाराणसी मण्डल, मिजार्पुर मण्डल, प्रयागराज मण्डल के समस्त जिलों के बहुजन समाज के लोग व आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी अपने नेता के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीम आर्मी चीफ व आजाद समाज पार्टी काशीराम के राष्ट्रीय लोकप्रिय सांसद एडवोकेट चन्द्रशेखर आजाद को सुनने के लिए भारी से भारी संख्या में आयें। पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश महासचिव विनय सागर ने ये बाते कहीं। इस अवसर पर गोरखनाथ बौद्ध मण्डल प्रभारी विवेक कुमार राव माडल अध्यक्ष यूथ, एस पी मानव जिलाध्यक्ष, रत्नेश कुमार जिला प्रभारी, सुभाष चन्द्र सोनकर, नगर अध्यक्ष, 10 प्रदीप, व आदि मौजूद रहे।

महाराजगंज जिला बने मांग फिर हुई तेज विधायक को ज्ञापन सोपा संघर्ष समिति के सदस्यों ने 30 साल से हो रही मांग

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज क्षेत्र की आबादी 2011 जनगणना के अनुसार 10.42 लाख से अधिक है और कई प्रखंड सीवान मुख्यालय से 30-48 किमी दूर हैं, जबकि महाराजगंज से मात्र 6-20 किमी है। रेल, सड़क, अस्पताल और बिजली सुविधाएं पहले से उपलब्ध, महाराजगंज को जिला बनने से प्रशासनिक सुविधा और विकास तेज होगा। फरवरी 2026 तक सरकार ने कोई नया जिला बनाने की योजना नहीं बताई,जिला बनाने की मांग चुनावी मुद्दा बनी । महाराजगंज अनुमंडल को नया जिला बनाने की मांग 1995 से चली आ रही है, 2015 में गांव-गांव हस्ताक्षर अभियान चला था। 29 दिसंबर 2015 को विभिन्न संगठनों ने पूरे अनुमंडल में गांव-गांव, हाट-बाजार और पंचायत स्तर पर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया था। लोग मुख्यमंत्री और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने की तैयारी में थे। इस दौरान पहले चरण में शांतिपूर्ण प्रदर्शन, मौन जुलूस और सड़क जाम जैसी गतिविधियां हुईं। जनता की मुख्य मांग थी कि प्रशासनिक दूरी कम हो और स्थानीय विकास को गति मिले। राजनीतिक समर्थन और जन आकांक्षा स्थानीय विधायकों, सांसदों और सभी प्रमुख दलों के कार्यकताओं ने इस मांग का खुलकर समर्थन किया। क्षेत्रवासी स्वतंत्रता सेनानी मुंशी सिंह समेत कई वरिष्ठ नागरिक लगातार संघर्षरत रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता रबिंद्र सिंह आदि लोग कहते रहे कि वोट दिया तो जिला चाहिए। अनुमंडल न्यायालय के अधिवक्ता संघ ने भी व्यवहार न्यायालय स्थापित करने की मांग उठाई। शहर से लेकर दूर-दराज की पंचायतों तक बैठकें और नुक्कड़ सभाएं हुईं। आंकड़े और जरूरत क्यों? महाराजगंज उपखंड में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल आबादी लगभग 10.42 लाख थी (महाराजगंज ब्लॉक 1,90,217, गोरियाकोठी 2,23,709, भगवानपुर हाट 2,20,651, दरौंदा 1,73,200, लकड़ी नबीगंज 1,28,899, बसंतपुर 1,05,229 सहित)। वर्तमान अनुमान के अनुसार यह संख्या और बढ़ गई है। क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों के हिसाब से यह जिला बनाने योग्य है। रेल मार्ग, नेपाल-बलिया लाइफलाइन सड़क, मांझी-बरौली पथ, संचार, जल आपूर्ति, अनुमंडल अस्पताल, पावर सब-स्टेशन और ग्रिड सुविधाएं पहले से मौजूद हैं। बैंकिंग कारोबार करोड़ों में है। जिला बनने पर विभागीय कार्यालय खुलेंगे, रोजगार बढ़ेगा, स्वास्थ्य-शिक्षा सेवाएं बेहतर होंगी और पलायन कम होगा।

दूरी की वास्तविक स्थितिः कई प्रखंड सीवान मुख्यालय से काफी दूर हैं, जबकि महाराजगंज से निकट है। नीचे कुछ प्रमुख प्रखंडों की दूरी सड़क मार्ग के आधार पर निम्नलिखित है। प्रखंड सीवान मुख्यालय से दूरीः

(किमी) महाराजगंज से दूरी (किमी) दरौंदा 19 एकमा (सारण) 36 गोरियाकोठी 34 लकड़ी नबी गंज 48 भगवानपुर हाट 43 महाराजगंज 23 ये दूरी आंकड़े दशार्ते हैं कि कई इलाकों में सीवान जाना मुश्किल है, जबकि महाराजगंज केंद्र में होने से सुविधा बढ़ेगी। इंफ्रास्ट्रक्चर की तैयारियांः अनुमंडल मुख्यालय में रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, अस्पताल, बिजली ग्रिड और बैंकिंग नेटवर्क पूरी तरह तैयार है। नेपाल सीमा से निकटता और कृषि-उद्योग की संभावनाएं भी मजबूत हैं। अप्रैल 2025 से जिला बनाओ संघर्ष समिति ने पादयात्रा, नुक्कड़ सभा और धरना शुरू की है। अगस्त 2025 में शहीद स्मारक पर एक दिवसीय धरना हुआ। अक्टूबर 2025 में यह मुद्दा फिर चर्चा में रहा। फरवरी 2026 में लोकसभा में भी सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल से यह मांग की गई थी। 9 फरवरी 2026 को बिहार विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री ने स्पष्ट जवाब दिया कि वर्तमान में नए जिले या अनुमंडल बनाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इससे पहले भी कई बार आश्वासन मिले, लेकिन अमल नहीं हुआ। जनता की पीड़ा और उम्मीदः लोगों ने एक बार फिर स्थानीय विधायक हेमनारायण साह से मिल कर बिहार विधान सभा में जिला बनाने के लिए प्रश्न उठाने के लिए ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन सौंपने वालों में संघर्ष समिति के अध्यक्ष मार्कण्डेय कुमार सिंह,नगर अध्यक्ष आत्मा कुमार सिंह, अमित कुमार, मुकेश कुमार पाण्डेय, शक्तिसरण सिन्हा, डा रामनारायण पाठक, डा मदुसूदन सिंह, ब्यास सही, अरुण कुमार सिंह, पवन कुमार, मंनंजय कुमार,पारसनाथ द्विवेदी, सुमन कुमार सेनानी, राउनिश कुमार के अलावा बहुत से सदस्य शामिल थे। बोले विधायक महाराजगंज को जिला बनने के लिए विधानसभा में पुरजोर तरीके से मांग रखूंगा। जिला बनने से महाराजगंज के विकास में तेजी आएगी।

दूसरी बार शादी के बंधन में बंधे क्रिकेटर शिखर धवन

नेशनल डेस्कः भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पिछले कई दिनों से उनकी शादी की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं। अब यह साफ हो गया है कि धवन ने सोफी शाइन के साथ शादी कर ली है। शादी की पहली तस्वीर सामने आते ही फैंस ने उन्हें ढेरों बधाइयां दीं। सादगी और खुशियों से भरे इस खास मौके की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से शेयर हो रही हैं। लोग गब्बर को उनकी नई जिंदगी के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। शादी से पहले ही संगीत और मेहंदी समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई थीं। इन रस्मों में परिवार और करीबी दोस्तों ने जमकर मस्ती की। तस्वीरों में धवन और सोफी दोनों बेहद खुश नजर आए। शादी के बाद सामने आई नई फोटो में दोनों पारंपरिक शादी के जोड़े में दिखाई दे रहे हैं। फैंस को उनकी सादगी, मुस्कान और केमिस्ट्री काफी पसंद आ रही है। कई लोगों ने इसे धवन की जिंदगी की नई और सकारात्मक शुरूआत बताया है।

कानपुर कमिश्नरेट की ट्रैफिक पुलिस ने बनाया हाईटेक प्लान

कानपुर । कानपुर में बढ़ते ट्रैफिक जाम और ई-रिक्शा संचालन में अव्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने बड़ी पहल की है। एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पाण्डेय ने ई-रिक्शा और ई-ऑटो चालकों के लिए क्यूआर कोड आधारित सत्यापन अभियान शुरू करने की घोषणा की है। यह अभियान 25 फरवरी 2026 से लागू होगा। इसका उद्देश्य ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करना, अपराध पर नियंत्रण पाना और शासन के निदेर्शानुसार चालकों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करना है। पुलिस द्वारा सभी ई-रिक्शा और ई-ऑटो चालकों को क्यूआर कोड युक्त विशेष कलर स्टीकर निःशुल्क जारी किए जाएंगे। स्टीकर प्राप्त करने के लिए वाहन स्वामी को अपने संबंधित थाने या सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) कार्यालय में बने काउंटर पर रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस सर्टिफिकेट, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। काउंटर पर मौजूद कर्मी सभी विवरण सॉफ्टवेयर में दर्ज करेंगे।

मानस महाकुंभ 2026 का दिव्य शुभारंभ, रामभक्ति का उमड़ा महासागर

वसई (उत्तरशक्ति)। शनिवार, 21 फरवरी 2026 को वसई की पुण्यभूमि पर मानस महाकुंभ 2026 का अत्यंत भव्य, आध्यात्मिक एवं हृदयस्पर्शी शुभारंभ हुआ। श्रीराम नाम के गगनभेदी जयघोष, मंगलमय कलश यात्रा, वेद मंत्रों की पावन ध्वनि और भजन-कीर्तन की मधुर स्वरलहरियों ने समूचे वातावरण को पूर्णतः राममय कर दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वसई की धरती पर स्वयं अयोध्या का पावन भाव अवतरित हो गया हो। नौ दिवसीय श्रीरामचरितमानस कथा का अमृतमय वाचन परम पूज्य, मानस मर्मज्ञ संत प्रेमभूषण जी महाराज के पावन श्रीमुख से हो रहा है। उनकी ओजस्वी, करुणामयी एवं जीवन-दर्शन से ओतप्रोत वाणी के माध्यम से श्रीरामचरितमानस के गूढ़ प्रसंग अत्यंत सरल, मार्मिक और जीवनोपयोगी संदेशों के साथ प्रस्तुत किए जा रहे हैं। श्रद्धालुजन भाव-विभोर होकर भक्ति रस में सराबोर हो रहे हैं – मानो प्रत्येक हृदय में श्रीराम का दिव्य आलोक प्रज्वलित हो उठा हो। इस विराट आध्यात्मिक महोत्सव को साकार रूप देने में प्रमुख संयोजक विजेंद्र रामचंद्र सिंह जी का सतत प्रयास, दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ समर्पण विशेष उल्लेखनीय है। वहीं इस वर्ष की मुख्य संकल्पी श्रीमती मीरा विजेंद्र सिंह की निष्ठा, सेवा-भावना और आध्यात्मिक प्रतिबद्धता ने आयोजन को विशिष्ट ऊर्जा प्रदान की है। उनके मार्गदर्शन में यह महाकुंभ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि वसई-विरार की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन गया है।

शुभारंभ अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में श्रीमती सुमिता सुमन सिंह जी भाजपा प्रवक्ता मुंबई की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही भाजपा नगरसेवक अशोक शेलके, भाजपा नेता अमित सिंह राठौड़, समाजसेवक उमेश प्रताप सिंह (मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रताप को-ऑपरेटिव बैंक) सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों, धार्मिक अग्रणियों एवं श्रद्धालु परिवारों ने सहभागिता कर आयोजन की शोभा बढ़ाई। मानस महाकुंभ 2026 केवल एक कथा आयोजन नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति, संस्कार और सामाजिक समरसता के पुनर्जागरण का महान संकल्प है। यह महोत्सव प्रत्येक परिवार को राम नाम की ज्योति से आलोकित कर जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना का संदेश दे रहा है। आयोजन समिति समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालु भाई-बहनों एवं परिवारजनों से सपरिवार उपस्थित होकर इस नौ दिवसीय राम कथा का अमृतमय रसपान करने का हार्दिक आग्रह करती है। आइए, हम सब मिलकर इस भक्ति यात्रा का हिस्सा बनें और अपने जीवन को राममय बनाएं।

शिक्षा का स्वस्थ माहौल प्रदान कर रहा सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल : डॉ रणजीत सिंह

सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल पट्टीनरेंद्रपुर में किंडरगार्टन डे एवं अचीवमेंट अवॉर्ड कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला क्षेत्र के सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल पट्टी नरेंद्रपुर में रविवार को किंडरगार्टन डे एवं अचीवमेंट अवॉर्ड कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त एवं पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. रणजीत सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं पूजा अर्चना करके किया। अतिथियों का अंगवस्त्र, माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया गया। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साइंस ओलंपियाड एवं स्पोर्ट्स की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सफल छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। शिक्षा में विशेष एवं उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रधानाचार्य अजरा सदाकत, शिक्षिका साक्षी बरनवाल और आकांक्षा भोज्यवाल को प्रबंध निदेशक संजय सिंह ने सम्मानित किया। डॉ रणजीत सिंह ने कहा कि गांव में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बशर्ते उन्हें तराशने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का स्वस्थ एवं सकारात्मक माहौल प्रदान कर रहा है। विशिष्ट अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय गांव गोद कार्यक्रम के समन्वयक एवं गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश कुमार यादव ने गांव में शिक्षा की अलख जगाने के लिए विद्यालय के प्रयास को सराहा। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय के बच्चे स्पर्धा में निखर रहे हैं जो यहां की उत्कृष्ट एवं बेहतर शिक्षा को दशार्ता है। प्रबंध निदेशक संजय सिंह ने कहा कि बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए विद्यालय पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान की जा रही है। अतिथियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य अजरा सदाकत ने किया। संचालन शिक्षक डीपी सिंह ने किया। मौके पर ओमप्रकाश तिवारी, चंद्र प्रताप यादव, डॉ राशिद खान, शिवशरण सिंह, कृष्ण प्रताप सिंह, विपिन सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सैमसंग हेल्थ ने फाइंड केयर फीचर लॉन्च किया

मुंबई। भारत के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने ग्लोबल वेलनेस ऐप 'सैमसंग हेल्थ' और प्रमुख हेल्थ-टेक कंपनियों फार्मईजी व टाटा 1एमजी के बीच साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के माध्यम से फाइंड केयर फीचर पेश किया गया है, जो एक एकीकृत हेल्थकेयर सेवा है। यह यूजर्स के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को सरल बनाने के साथ-साथ उनके समग्र वेलनेस अनुभव को बेहतर बनाता है। यह फीचर 24 फरवरी, 2026 से ऐप अपडेट के माध्यम से उपलब्ध होगा। सैमसंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्यूंगयुन रू ने कहा, हमारा लक्ष्य हेल्थकेयर को हर व्यक्ति के लिए अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाना है। सैमसंग हेल्थ ऐप में फाइंड केयर सेवा को शामिल करना इसी विजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फाइंड केयर को हमारे यूजर्स की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हम निरंतर नवाचार के माध्यम से अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने और यूजर अनुभव को और सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सैमसंग हेल्थ में फाइंड केयर के जुड़ने से यूजर्स को अब अलग-अलग ऐप के बीच स्विच करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके जरिए यूजर्स सीधे फार्मईजी और टाटा 1एमजी की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। यूजर्स दवाइयाँ ऑर्डर कर सकेंगे, डायग्नोस्टिक टेस्ट बुक कर पाएंगे और डॉक्टरों से ऑनलाइन परामर्श ले सकेंगे। इस सुविधा को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए फार्मईजी एक विशेष लॉन्च ऑफर भी दे रही है, जिसके तहत सैमसंग हेल्थ ऐप के माध्यम से पहला ट्रांजैक्शन करने पर यूजर्स को 6 महीने की 'फार्मईजी प्लस' मेंबरशिप मुफ्त दी जाएगी। फार्मईजी के चीफ बिजनेस ऑफिसर गौरव वर्मा ने कहा, सैमसंग हेल्थ के साथ हमारी यह साझेदारी रोजमर्रा की तकनीक को सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस सहयोग के तहत यूजर्स को अतिरिक्त बचत और फ्री डिलीवरी जैसे कई लाभ मिलेंगे। इससे उन्हें अपनी हेल्थकेयर यात्रा पर बेहतर नियंत्रण और अधिक सुविधा मिलेगी। टाटा 1एमजी के वाइस प्रेसिडेंट (मेडिकल अफेयर्स), डॉ. राजीव शर्मा ने कहा, सैमसंग और टाटा 1एमजी का यह सहयोग यूजर्स को पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे से बाहर भी अपनी सेहत की जिम्मेदारी संभालने के लिए सक्षम बनाता है। इस साझेदारी में डिजिटल थेरेप्यूटिक्स के क्षेत्र में नवाचार को आगे बढ़ाने की क्षमता है, जिससे स्वास्थ्य समाधान अधिक सुलभ और प्रभावी बन सकेंगे।

गैलेक्सी डिवाइसेज पर उपलब्ध सैमसंग हेल्थ यूजर्स को अपनी सेहत की निगरानी करने और फिजिकल एक्टिविटी, हार्ट रेट, ब्लड प्रेशर, ईसीजी, नींद के पैटर्न और कैलोरी इनटेक जैसे अहम वेलनेस मापदंडों को ट्रैक करने की अनुमति देता है। यूजर्स दवाओं के लिए रिमाइंडर सेट कर सकते हैं और अपने हेल्थ रिकॉर्ड भी आसानी से एक्सेस कर सकते हैं। फाइंड केयर फीचर का लॉन्च सैमसंग के यूजर-केंद्रित नवाचार और एक संपूर्ण डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम बनाने के मिशन को और मजबूत करता है।

रीबॉक ने ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को बनाया अपना ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। रीबॉक ने आज भारत में ओलंपिक निशानेबाज मनु भाकर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की। यह साझेदारी रीबॉक की 'ट्रेनिंग-फर्स्ट' सोच को देश की सबसे एकाग्र और जुनूनी एथलीट्स में से एक के साथ जोड़ती है। दोनों का मानना है कि असली प्रदर्शन प्रतियोगिता के दिन नहीं, बल्कि उससे महीनों पहले की गई कड़ी तैयारी से तय होता है। महज 24 साल की उम्र में मनु भाकर भारत की सबसे सफल निशानेबाजों में से एक बन चुकी हैं। वह मानसिक मजबूती और निरंतरता की एक बड़ी मिसाल हैं। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में दो कांस्य पदक जीते। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट और पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। उनकी सफलता केवल पदकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी पहचान उनकी कड़ी मेहनत और अटूट अनुशासन से है। यही वजह है कि वह रीबॉक–जो हमेशा से फिटनेस और हाई-परफॉर्मेंस खेलों का समर्थक रहा है–के लिए सबसे उपयुक्त चेहरा हैं। मनु आज की उस नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं जो आत्मविश्वास से भरी है और अपनी मेहनत की प्रक्रिया पर भरोसा करती है। इस साझेदारी पर मनु भाकर ने कहा, किसी भी मुकाबले का परिणाम प्रतियोगिता के दिन से बहुत पहले तय हो जाता है। मेरी ट्रेनिंग, फोकस और मेरा खुद पर विश्वास ही मुझे आगे बढ़ाता है, और यही बात मुझे रीबॉक से जोड़ती है। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे ब्रांड के साथ जुड़ी हूँ जो तैयारी को सबसे ज्यादा अहमियत देता है और एथलीट के सफर के हर मोड़ पर उसका साथ देता है। रीबॉक इंडिया के ब्रांड हेड, अर्जुन राममूर्ति ने कहा, मनु भाकर भारतीय खेलों के भविष्य की पहचान हैं–वह एकाग्र हैं, निडर हैं और अपनी परफॉर्मेंस के पीछे की मेहनत के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। भारत में हाई-परफॉर्मेंस और ट्रेनिंग पर हमारे बढ़ते फोकस के बीच यह साझेदारी उन एथलीट्स में हमारे भरोसे को दिखाती है जो शॉर्टकट नहीं, बल्कि पूरी तैयारी पर विश्वास रखते हैं।

महेश सरवणकर वसई विरार शहर महानगरपालिका स्थायी समिति के सदस्य नियुक्ति

वसईरोड। भारतीय जनता पार्टी के वसई रोड मंडल अध्यक्ष तथा वसई विरार महानगरपालिका के नवनिर्वाचित नगरसेवक महेश सरवणकर की वसई विरार शहर महानगरपालिका की स्थायी समिति सदस्य पद पर नियुक्ति की गई है। नियुक्ति के उपलक्ष्य में महेश सरवणकर ने रवींद्र चव्हाण सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्थायी समिति के माध्यम से वसई विरार शहर में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी विकास कार्यों को गति देने के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे। साथ ही, विकास कार्यों के माध्यम से वसई रोड क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प भी उन्होंने व्यक्त किया। नगरसेवक महेश सरवणकर का राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकाल सदैव संघर्षमय रहा है। निरंतर संघर्ष करते हुए उन्होंने वसई विरार शहर महानगरपालिका चुनाव में उल्लेखनीय एवं संघर्षपूर्ण विजय प्राप्त की। इसी कारण वसई रोड क्षेत्र में उन्हें संघर्ष योद्धा के नाम से भी जाना जाता है। उनकी स्थायी समिति सदस्य पद पर नियुक्ति से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं तथा वसई विरार शहर के नागरिकों में उत्साह और खुशी का माहौल देखा जा रहा है।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने काशी की सफाई व्यवस्था का किया जमीनी निरीक्षण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने प्रातः काल काशी के शिवपुर, सुषमा नगर कॉलोनी, गिलट बाजार, लक्ष्मणपुर एवं रघुवंशी नगर में कई किलोमीटर तक पैदल चलकर प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था एवं डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया। मंत्री श्री शर्मा ने विभिन्न गलियों और मुख्य मार्गों का जायजा लिया, जिससे व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके।निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में निर्धारित समय पर कचरा उठान सुनिश्चित किया जाए तथा कहीं भी कूड़े का ढेर दिखाई न दे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।मंत्री शर्मा ने स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर सफाई व्यवस्था के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कूड़ा इधर-उधर न फेंकें और डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था का पूर्ण सहयोग करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है।इस अवसर पर मंत्री शर्मा ने सफाई मित्रों से मुलाकात कर उनके कार्य की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सफाई कर्मियों को आवश्यक उपकरण, सुरक्षा सामग्री और सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे सुरक्षित और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

इसके पश्चात मंत्री शर्मा ने सिगरा क्षेत्र में सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता एवं समय-सीमा की समीक्षा करते हुए कुछ स्थानों पर शेष रह गए इंटरलॉकिंग कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही पूरे किए जाएं। मंत्री श्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि कार्य के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए निरंतर निरीक्षण एवं जवाबदेही आवश्यक है।निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान मंत्री ए के शर्मा ने नगर निगम कार्यालय के समीप वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और विकास के साथ-साथ हरित वातावरण भी उतना ही आवश्यक है। बढ़ते शहरीकरण के बीच पर्यावरण संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मेयर अशोक कुमार तिवारी,नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी की दूरदर्शिता पर लगी सुप्रीम कोर्ट की मुहर

मुंबई। पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने 3-4 वर्ष पूर्व जो प्रश्न देश की संसद (लोकसभा) में उठाए थे, वही मुद्दे आज देश की सर्वोच्च अदालत के लिए गहन चिंता और विचार का विषय बन चुके हैं। उनके द्वारा लोकसभा में उठाए गए लोक-लुभावन वादों तथा चुनावी मेनिफेस्टो की जवाबदेही से जुड़े प्रश्नों पर अब माननीय न्यायपालिका ने सख्त रुख अपनाया है। उल्लेखनीय है कि जनसेवक गोपाल शेट्टी ने लोकसभा में विधि एवं न्याय मंत्रालय से अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाले प्रश्न पूछे थे। उनके प्रमुख बिंदु निम्न थे। जिसमें क्या चुनाव जीतने के बाद राजनीतिक दल अपने वादों को भुला देते हैं? क्या चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा न करने वाले दलों की मान्यता समाप्त करने हेतु लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन आवश्यक नहीं है? क्या सत्ता में आने के तीन वर्ष पश्चात सरकारों के लिए अपने मेनिफेस्टो का सार्वजनिक लेखा-जोखा देना अनिवार्य नहीं होना चाहिए? क्या चुनावी वादों को केवल राजनीतिक घोषणा मानकर छोड़ देना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत नहीं है। इन प्रश्नों के माध्यम से शेट्टी ने लोकतांत्रिक जवाबदेही, राजकोषीय अनुशासन तथा जनविश्वास की रक्षा का विषय राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया था।

यह उल्लेखनीय है कि केवल रेवड़ी संस्कृति का प्रश्न ही नहीं, बल्कि अनेक अन्य संवैधानिक, प्रशासनिक एवं जनहित से जुड़े मुद्दे भी पूर्व सांसद श्री गोपाल शेट्टी द्वारा लोकसभा में समय-समय पर उठाए गए हैं। उन विषयों पर केन्द्र सरकार द्वारा नीतिगत विचार-विमर्श हुआ तथा कई मामलों में माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी संज्ञान लिया।

फाल्गुन की गीत गांवों की झलकिया

फागुन गीत गवनयी का महीना है, इतना भर कह देने से फागुन पूरा थोड़े ही ढँकेगा । फागुन को अकवार में भर कर चलने के लिए कुछ छेड़- छाड़ , कुछ खींच तान , थोड़ी बरजोरी , जोर जबरदस्ती , और बहुत कुछ करना पड़ता है । तब इन्द्रधनुषी वितान तनता है । जहाँ श्याम और राधिका दोनों विहार करते हैं । फागुन तो श्याम और राधिका के सुघड़ हाथों से रचा गया ऋतुकाल है । एक रंग बिहारी बता रहे हैं -

अधर धरत हरि के परत, ओठ दीठि पट जोति।
हरित बाँस की बाँसुरी, इन्द्र धनुष दुति होति।।

वांग्मय कहता है रंग इंद्रधनुष से आता है कुल सात रंग । लोक घुड़क देता है -

- भक्क ! आठ रंग होता है सुनो तिवारी गा रहा है नब्बे के फेटे में है लेकिन आवाज सुनो -

एक सुंदर नारि नगीना बनी अठ रंग है छवि नैन विशाल !
इसमें एक लेकिन लगा है बाबू!
सैंया परदेस है इस होली पर नहीं आ पाया है । वियोग की टीस लिए गाँव की गली- गली घूम रही है । शरीर पीला हो गया है । अनाड़ी वैद भी मर्म नहीं जानता मुंह झौंसा इतना भी नहीं जानता यह पीला रंग पिया का शोक है । अवतार बनिया गुनगुना रहा है -

पिय पिय कहत पीयर हमभयलीं
लोगवा जाने होय गा रोग
वैदा अनाड़ी मरम ना जाने
बालम तोर शोक !
आस मोर सैया कि लाग रही ना आए !

अगला अंतरा नवल उपाधिया उठा लेते हैं -

ई पुरवैया जनम के बैरी
अंचरा मोर उड़ि- उड़ि जाय
लहुरा देवरवा मानत नाही
देखैय ललचाय !
आस मोर सैया कि लाग रहा
ना आये !

गरज यह कि अक्खा गाँव फागुन पहिने ताल बेताल उलझा नाच रहा है। नगीना का कंठा टूट रहा है तो कहीं गुलाबो की चोली मसक रही है , जोबना के लूट तो हर गली में है।

फागुन अबोध बच्चों तक घेरे खड़ा है ।

पतरकी पड़ाइन क लड़िका टुन्नू अपनी माँ से उलझा है -

- ही माई ! फागुन कहाँ से आव ?
- भक्क ! जा चड्ढी पहन के आ !
- माही बताव फागुन कहाँ से आवथ? चौकी पर बैठे चाय की चुस्की ले रहे मद्दू पत्रकार को हँसी आ गई
- इधर आव ! हम बताई थ , फागुन कहाँ से आव ! फागुन मेहनाजपुर वाली के आँख से आवथ

चिखुरी हँसे - अमित हलाहल मद भरे श्याम श्वेत रत्नाकर !
ज़ियत मरत झुकि झुकि पड़त , के देखत इक बार !!

नग्न धड़ंग लड़कों की टोली गुजरी है । गाते गरियाते । लिखा नहीं जा सकता । संभ्रांत नहीं है।

- तुम और संभ्रांत ? नशेड़ी ! हाथ हटाओ । भोर होने को है ।
- यही तो वक्त है !
- किस बात का ? तनिक नहीं होगी !
- सोने का ! और क्या? ऐसी नीद आती है कि आलम जौनपुर के थे । मूलतः ये पंडित थे और कविता करते थे एक भोर में इन्होंने लिखा - कनक लता सी कामिनी , कटि काहे को क्षीण !
- अगली सतर
- शेख बताएगी , हम चले सोने झमा झम चली जात गोरी रे
झमा झम।

-लालशेखर सिंह ब्यूरो